जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025

आन्दोलन
अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

LAUNCHING TODAY

7 - 12% CURCUMIN

लाकाडोंग हल्दी पाउडर | 250 g MRP ₹ 250

50,000+ SHU TEEKHAPAN / PUNGENCY

मिर्ची पाउडर | 250 g MRP ₹ 150

DOUBLE PARROT
SABUT DHANIA SE BANA

धनिया पाउडर | 250 g MRP ₹ 100

MUST TRY OUR:

देशी गेहूँ
10 kg MRP ₹ 450

शरबती सुपीरियर आटा
5 kg MRP ₹ 350

सूजी
500 g MRP ₹ 40

गेहूँ दलिया
500 g MRP ₹ 40

बेसन
500 g MRP ₹ 70

देशी चक्की आटा
5 kg MRP ₹ 250

शरबती गेहूँ
10 kg MRP ₹ 650

COMING SOON: दाल । चावल । कुकिंग ऑयल । ड्राई फ्रूट्स । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON APP

ORDER ON CALL
1800 120 2727

ORDER ON WHATSAPP

T&C Apply.

विचार बिन्दु

सत्य से कीर्ति प्राप्त की जाती है और सहयोग से मित्र बनाए जाते हैं। –कौटिल्य अर्थशास्त्र

संघ शताब्दी वर्ष :

देश के हर गांव - गुवाड़ और चौपाल पर पंच परिवर्तन का शंखनाद करेगा संघ

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विजयदशमी 2025 के पावन पर्व पर अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। इस अवसर पर 2 अक्टूबर से संघ शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों का शुभारम्भ होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने विजयादशमी के दिन 1925 में की थी। आज देश भर में 51570 स्थानों पर प्रतिदिन कुल 83129 शाखाएं संचालित की जाती हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 हजार से अधिक हैं। साप्ताहिक मिलन में पिछले वर्ष की तुलना में 4430 की वृद्धि के साथ 32147 हो गए है। देश में शाखाओं और मिलन की कुल संख्या 1,15,276 है। वहीं राजस्थान में वर्ष 2023 -24 में 6102 स्थानों पर 9556 शाखाएं, 3903 मिलन थे। जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 6839 स्थानों पर 10757 शाखाएं और 5311 मिलन हो गए हैं।

शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवक पंच परिवर्तन को लेकर जनजागरण करेंगे। इनमें पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समसरता, स्व आधारित व्यवस्था, कुटुंब प्रबोधन तथा नागरिक कर्तव्य, इन बिंदुओं का समावेश रहेगा। शताब्दी वर्ष के दौरान व्यापक गृह संपर्क अभियान, हिन्दू सम्मेलन, प्रबुद्ध नागरिक गोष्ठी और सामाजिक सद्भाव बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। शताब्दी वर्ष के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा गृह सम्पर्क अभियान शुरू करेगा। 20 नवम्बर से 21 दिसम्बर के बीच संघ कार्यकर्ता देश के छह लाख गांवों के 20 करोड परिवारों में सम्पर्क करेंगे। इस अभियान में लगभग 20 लाख कार्यकर्ता घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। शताब्दी वर्ष का पहला कार्यक्रम विजयादशमी का होगा। मण्डल व बस्ती स्तर पर आयोजित विजयादशमी उत्सव के कार्यक्रम में सभी स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में शामिल होंगे।

यह विश्व का सबसे विशाल संगठन है। समाज के हर क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से विभिन्न संगठन चल रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। संघ के विरोधियों ने तीन बार 1948 1975 व 1992 में इस पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन तीनों बार संघ पहले से भी अधिक मजबूत होकर उभरा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अनेक निर्णयों में माना है कि संघ एक सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन है।

देश में 25 जून 1975 को जबरिया आपातकाल लागू कर लाखों विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को जेलों में डाल दिया गया था। 21 महीनों का यह काला दौर संविधान के विध्वंस, नागरिक अधिकारों के उल्लंघन, प्रेस पर पाबंदी और विपक्ष के नेताओं की गिरफ्तारियां का रहा। इस दौरान विपक्षी पार्टियां नेतृत्व विहीन होने से आपातकाल का जबरदस्त विरोध नहीं कर पा रही थी। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अनवरत विरोध मार्च की कमान संभाली। इन पंक्तियों के लेखक ने उस दौरान संघ कार्यकर्ताओं का जज्बा देखा जिन्होंने अपने घर परिवार की परवाह न कर आपातकाल के विरोध में सत्याठाह कर जेलों को भर दिया। सत्याग्रह में हजारों स्वयंसेवकों की गिरफ्तारी के बाद संघ के कार्यकर्त्ताओं ने भूमिगत रह कर आन्दोलन चलाना शुरू किया। आपातकाल के खिलाफ सड़कों पर पोस्टर चिपकाना, जनता को सूचनाएँ देना और जेलों में बन्द विभिन्नत राजनीतिक कार्यकर्ताओ - नेताओं के बीच संवाद सूत्र का काम संघ कार्यकर्ताओं ने सँभाला। आपातकाल का विरोध करने के कारण तत्कालीन सरकार के इशारों पर संघ कार्यकर्ताओं की पुलिस थानों में पिटाई आम बात हो गई थी। एक अधिकृत जानकारी के अनुसार आपातकाल के दौरान सत्याग्रह करने वाले कुल 1,30,000 सत्याग्रहियों में से 1,00,000 से अधिक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के थे। मीसा के तहत कैद 30,000 लोगों में से 25,000 से अधिक संघ के स्वयंसेवक थे। आपातकाल के दौरान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के करीब 100 कार्यकर्ताओं की जान चली गई। अनेकानेक कष्ट झेलने के बाद भी संघ कार्यकर्ताओं ने हिम्मत नहीं हारी। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में विपक्षी दलों के विलय से बनी जनता पार्टी के सरकार बनाने में संघ कार्यकर्ताओं के योगदान को नकारा नहीं जा सकता।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की।

आजादी के बाद से ही कांग्रेस के निशाने पर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। लाख चेष्टा के बावजूद कांग्रेस संघ को समाप्त करना तो दूर हाशिये पर लाने में सफल नहीं हुआ। संघ को खत्म करने के चक्कर में खुद कांग्रेस अपना वजूद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पहली विपदा महात्मा गांधी की हत्या के दौरान आई जब हत्यारे नाथूराम गोडसे को संघ का स्वयंसेवक बताकर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। बाद में एक जांच समिति ने संघ पर लगे आरोपों को सही नहीं बताया तब संघ से प्रतिबन्ध हटा लिया गया और एक बार फिर संघ ने स्वतंत्र होकर अपना कार्य शुरू किया। संघ पर इस दौरान यह आरोप लगाया गया कि वह हिन्दू अधिकारों की वकालत करता है। मगर संघ का कहना है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धित है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है तो इसका कारण यह है कि यहाँ हिन्दू बहुमत में हैं। बताया जाता है कि 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान संघ के अप्रतिम सेवाभावी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं.जवाहर लाल नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का संघ को निमंत्रण दिया। दो दिन की अल्प सूचना के बाबजूद तीन हजार गणवेशधारी स्वयं सेवक उस परेड में शामिल हुए। यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि संघ गांधी हत्यारा था तो पं. नेहरू ने उसे देशभक्त संगठन मानकर परेड में शामिल क्यों किया। संघ पर दूसरी विपदा 1975 में तब आई जब आपातकाल के दौरान उस पर प्रतिबन्ध लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को कारागार में डाल दिया गया। आपातकाल के बाद संघ से प्रतिबन्ध हटाया गया और संघ ने पुन: अपना कार्य प्रारम्भ किया।

बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है। संघ विचारकों का मानना है कि डॉ. राममनोहर लोहिया और लोक नायक जय प्रकाश नारायण सरीखे देश भक्तों ने कभी संघ का विरोध नहीं किया और समय-समय पर संघ कार्यों की प्रशंसा की। विभिन्न गुटों में बंटे उनके कथित समाजवादी अनुयायी अपने राजनैतिक लाभों को हासिल करने के लिए उनका विरोध करते हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी संघ के नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेकर कांग्रेस को झटका दे चुके है। उन्होंने संघ के संस्थापक हेडगेवार को बड़ा देशभक्त बताया था।

–अतिथि संपादक,
बालमुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

पर्यटन संस्कृति की प्रभावी शिक्षा का हो प्रसार

27 सितम्बर, विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष.....

डॉ. अरुणा व्यास

भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। इसकी खास वजह यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थल तो है ही साथ ही वह अपनापे की संस्कृति भी है जिसमे पावणों यानी मेहमानों के लिए विशेष आदर भाव है। और फिर पर्यटन की जितनी विविधता राजस्थान में है उतनी किसी दूसरे प्रदेश में नहीं। समुद्र और बर्फ के अलावा सब कुछ तो है राजस्थान के पर्यटन में। दूर तक फैले रेत के धोरे, किले, महलों के साथ ही झीलें, कलात्मक स्थापत्य से संपन्न बावड़ियां और तालाबों के अलावा अरावली की पर्वत श्रृंखला से जुड़े पर्यटन स्थल यहां आने वाले पर्यटकों को अपने सौन्दर्य से मुग्ध करते है। गौरवमयी इतिहास से जुड़ी कथा-कहानियां, रंग-रंगीली संस्कृति और उत्सवप्रिय यहां के लोगों की आवभगत आने वाले पर्यटकों को अपना बना लेती है। यही कारण है कि सुदूर देशों से पर्यटक एक बार यहां आता है तो फिर बार-बार आता है।

राजस्थान में पर्यटन की परम्परा आरंभ से ही रही है। तब से ही जब रियासतों का एकीकरण नहीं हुआ था। राजा-महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासकों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में 'हेरिटेज होटल' योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को 'हेरिटेज' की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की शुरूआत हुई और देखते ही देखते प्रदेशभर में हेरिटेज होटलों की एक श्रृंखला बनती चली गई। आज भी देशभर में सर्वाधिक 'हेरिटेज होटल' राजस्थान में हैं। इससे न केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को संजोया जा सका बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान में आकर्षण में तेजी से इजाफा हुआ।

यह सही है, पर्यटन की प्रदेश में अभी भी अपार संभावनाएं हैं। एशिया के छठे बेस्ट होलीडे डेस्टिनेशन होने के बावजूद जितनी आय पर्यटन से राजस्थान को होनी चाहिए हो नहीं रही है। जरूरत इस बात की है कि प्रदेश की पर्यटन क्षमताओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां बने। इसके लिए सबसे बड़ी जरूरत पर्यटन शिक्षा के ढांचे को सुदृढ करने की भी है। उद्योग के रूप में पर्यटन कैसे संचालित हो, इस पर तो वर्तमान पर्यटन शिक्षा में जोर है परन्तु तीर्थाटन से पर्यटन की हमारी विरासत वहां नदारद है। घुमक्कड़ी से जुड़ा भारतीय दर्शन वहां बहुत से स्तरों पर नहीं है। यह होगा तभी हम संस्कृति के संरक्षण के साथ पर्यटन का प्रभावी विकास कर पाएंगे। यह समझे जाने की जरूरत है कि पर्यटन जन उद्योग है, इसका संचालन अन्य उद्योगों की भांति नहीं किया जा सकता। इसके लिए आम जन को जोड़ना अधिक जरूरी है।

जरूरी यह भी है कि राज्य में उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं का व्यावहारिकता के स्तर पर आकलन कर उनका विकास किया जाए। अभी चिर-परिचित स्थानों के विपणन पर तो बहुत कुछ किया जा रहा है परन्तु बहुत से कम जाने-पहचाने स्थानों के विकास पर ध्यान नहीं है। उन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जालोर का किला, सुंधा माता का रोपवे, परमारकालीन संस्कृत पाठशाला, चूरू, नवलगढ़ की हवेलियां, बांसवाड़ा में आथूणा के मंदिर, बाड़मेर में किराडू का शिल्प सौन्दर्य, बीकानेर में गजनेर, उदयपुर में जयसमंद और रूठी रानी के महल, अलवर में भानगढ़, भरतपुर के जल महल और ऐसे ही बहुत से और पर्यटन आकर्षण है, जो पर्यटन मानचित्र पर ठीक से उभरे नहीं है। इनके विकास के साथ ही पर्यटन पथों का इस तरह से विकास किए जाने की जरूरत है कि पर्यटक पैकेज के रूप में कम परिचित स्थानों का दृश्यावलोकन कर सके। इसके साथ ही धार्मिक और घरेलू पर्यटन पर भी विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जरूरत इस बात की भी है कि राज्य सरकार अपने कर्मियों को पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने की नीति पर भी कार्य करे। इन्टरनेट को टूरनेट के रूप में विकसित करने की पहल करें। पर्यटन केन्द्रों पर लेखकों, पत्रकारों की यात्रा भी इस दिशा में सकारात्मक पहल हो सकती है। लेखक, पत्रकारों को कम परिचित पर्यटन स्थलों पर ले जाए जाए। वे वहां जाएंगे तो उन स्थानों के सौन्दर्य और संभावनाओं पर लिखेंगे, स्वाभाविक ही है कि जितना खर्च उनके विज्ञान पर नहीं खर्च करना पड़ेगा उससे अधिक सरकार का प्रचार हो जाएगा।

मूल बात है कि हम राज्य के पर्यटन का विपणन इस रूप में करें कि देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के साथ ही यहां की उन पर्यटन क्षमताओं का भी अधिकाधिक दोहन हो सकें, जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसी से पर्यटन में राजस्थान देशभर में अग्रणी हो सकता है।

-डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण एवं संस्कृति
अध्येता
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

जीएसटी संशोधन 2.0 : आम जनता और महिलाओं के लिए राहत की नई किरण

डॉ. मनीषा सिंह

भारत निरंतर अग्रसर है तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर, भारत की आर्थिक व्यवस्था में सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों की श्रृंखला में 15 अगस्त को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने अपने संबोधन के दौरान जीएसटी में अहम संशोधन की घोषणा की। यह घोषणा केवल एक औपचारिक वादा नहीं थी, बल्कि सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति का परिचायक भी थी। इसके बाद 38 दिनों के भीतर, अर्थात् 22 सितम्बर को यह संशोधन लागू होने जा रहा है। यह कदम न केवल कर-व्यवस्था को सरल बनाने वाला है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है।

जीएसटी संशोधन की पृष्ठभूमि

जीएसटी को 2017 में लागू किया गया था और इसे वन नेशन वन टैक्स की दिशा में ऐतिहासिक सुधार माना गया। लेकिन समय के साथ इसमें कई जटिलताएँ सामने आईं। छोटे व्यापारियों और स्वरोजगार से जुड़े लोगों को इसकी प्रक्रियाओं में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। केंद्र सरकार ने इन समस्याओं को गंभीरता से लिया और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर वित्तीय व्यवस्था को आम जनता के लिए सरल और सहज बनाने की घोषणा की। इन्हें राहत देने का काम किया है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी बार-बार इस बात पर ज़ोर दिया है कि आर्थिक सुधार तभी सार्थक हैं जब जनता को उनका प्रत्यक्ष लाभ मिले।

संशोधन का स्वरूप - 2.0

22 सितम्बर से लागू होने जा रहे इस संशोधन में मुख्य रूप से निम्नलिखित बदलाव किए गए हैं:

1. प्रक्रियाओं में सरलता - रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सहज बनाया गया है, जिससे छोटे व्यापारी और उद्यमी आसानी से इसे पूरा कर सकें।

2. टेक्स स्लैब में राहत - कुछ ज़रूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को कम किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा।

3. डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा - ऑनलाइन फाइलिंग और ट्रैकिंग को और अधिक आसान व पारदर्शी बनाया गया है।

4. गृह-उद्योग और कुटीर उद्योग पर विशेष ध्यान - छोटे स्तर के उद्योगों के लिए अनुपालन नियमों में ढील दी गई है।

आम जनता व महिलाओं को होने वाले फायदे

इस संशोधन के लागू होते ही आम जनता को कई लाभ मिलेंगे। सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ताओं को होगा क्योंकि ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी। रोटी-कपड़ा मकान के साथ साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सभी को मिल सकेगा। वहीं, छोटे व्यापारियों और दुकानदारों के लिए कर-प्रणाली का बोझ घटेगा और उन्हें कारोबार बढ़ाने के नए अवसर मिलेंगे। आज सभी के मध्य इस संशोधन को लेकर व्यापक चर्चा है। कई आर्थिक विशेषज्ञों ने इसे भारतीय कर-व्यवस्था में क्रांतिकारी कदम बताया है।

महिलाओं के लिए विशेष लाभ-

भारत में महिलाएँ केवल गृहिणी ही नहीं, बल्कि आज स्वरोजगार और उद्यिमता के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रही हैं। कई महिलाएँ छोटे स्तर पर गृह-उद्योग, बुटीक, सिलाई-कढ़ाई, फूड प्रोसेसिंग या ऑनलाइन कारोबार चला रही हैं। जीएसटी संशोधन 2.0 से इन्हें सबसे अधिक फायदा होगा। पहले जहाँ उन्हें रिटर्न फाइल करने, जटिल नियमों और टैक्स स्लैब समझने में मुश्किल आती थी, वहीं अब सरल प्रक्रियाएँ उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करेंगी। यह संशोधन महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का रास्ता खोलता है और नारी शक्ति को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। महिलाओं के बज़ट में रियायत- रसोई से खाने पीने की वस्तुओं से लेकर दवाइयाँ, किचनवेयर, रोजमर्रा ज़रूरत की चीज़ें, घरेलू सामान, सौंदर्य प्रसाधन, नवीनीकरण उपकरणों, टेक्सटाइल, हस्तशिल्प। शिक्षा - स्वास्थ्य संबंधी वस्तुओं एवं सेवाओं आदि पर जीएसटी 18% या 12% से 5% तक होंगे जिससे जेब का बोझ कम होगा और महिलाओं को आर्थिक बचत होगी जिससे इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा, जिंदगी बेहतर होगी। उनके लिए कारोबार करना आसान हो जाएगा जिससे आर्थिक सशक्तिकरण राहें आसान होगी।

मोदी सरकार का दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री मोदी जी का सदैव यह मानना रहा है कि जन-हित और देशहित दोनों साथ-साथ चलने चाहिए। जीएसटी संशोधन को इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। यह केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की ओर भी कदम है। आर्थिक बोझ कम होने से आम नागरिकों की क्रय शक्ति बढ़ेगी और व्यापारिक गतिविधियाँ तेज़ होंगी। यह सुधार आत्मनिर्भर भारत की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण आधारशिला बनेगा।

राजनीतिक और सामाजिक महत्व

राजनीतिक दृष्टिकोण से देखें तो यह संशोधन सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अक्सर आलोचकों का कहना होता है कि घोषणाएँ समय पर लागू नहीं होतीं, लेकिन इस मामले में मात्र 38 दिनों में ही इसे लागू कर देना सरकार की कार्यक्षमता का प्रमाण है। सामाजिक दृष्टि से यह बदलाव जनता को राहत देने वाला है। जब ज़रूरी वस्तुएँ सस्ती होंगी और कारोबारी वातावरण सुधरेगा, तो इसका सीधा असर समाज के हर वर्ग पर पड़ेगा। 22 सितम्बर से लागू होने वाला जीएसटी संशोधन केवल कर व्यवस्था में बदलाव भर नहीं है, बल्कि यह भारत की आर्थिक और सामाजिक प्रगति की ओर उठाया गया बड़ा कदम है। इससे आम जनता को राहत, व्यापारियों को सरलता और महिलाओं को सशक्तिकरण मिलेगा। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह सुधार भारतीय लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों को और मजबूत बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी जी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी की यह पहल आने वाले समय में भारत को सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे ले जाएगी।

–डॉ. मनीषा सिंह,
कार्यकारिणी सदस्य,
मीडिया विभाग भा ज पा
राजस्थान एवं सामाजिक
कार्यकर्ता संरक्षिका मान फाउंडेशन।

धौलपुर में ग्रामीण सेवा शिविर लोगों के लिये खुशियों के संदेशवाहक बने

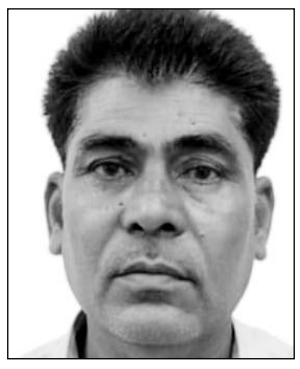

राजकुमार मीणा

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे ग्रामीण सेवा शिविर धौलपुर जिले के लोगों के लिए बड़ी राहत का साधन बन रहे हैं। इन शिविरों ने न केवल वर्षों से अटकी समस्याओं का निस्तारण किया है बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, सामाजिक संबल और न्याय भी दिलाया है।

पशुधन सुरक्षित- परिवार निश्चिंत :-पंचायत समिति सरमथुरा की ग्राम पंचायत मदनपुर निवासी लक्ष्मीदेवी को शिविर में मंगला पशु बीमा योजना के तहत भैंस की बीमा पॉलिसी मिली। पशु बीमा से उन्हें 40 हज़ार रुपये तक की सुरक्षा गारंटी मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उनका परिवार पशुधन की अनहोनी से सुरक्षित है।

दशकों पुरानी राजस्व त्रुटियों का समाधान :-ग्राम भौंहारी के बनवारी पुत्र पूरन का नाम राजस्व रेकार्ड में वर्षों से ग़लत वनवारी दर्ज था। शिविर में उनकी फरियाद सुनते ही राजस्व टीम ने मौके पर ही नाम शुद्ध कर उन्हें न्याय दिलाया। वर्षों पुरानी चिंता मिटने पर उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

पट्टा मिलने पर लौटी मुस्कान :-ग्राम सुन्दरपुर निवासी रामनिवास पुत्र वासुदेव लंबे समय से प्लॉट का पट्टा हस्तांतरण कराने के लिए चक्कर काट रहे थे। धौलपुर शिविर में अधिकारियों ने त्वरित कार्रवाई कर एक ही दिन में पट्टा उनके हाथ में सौंपा। पत्र पाते ही उनके चेहरे पर संतोष और खुशी साफ झलक रही थी।

पेंशन से मिली जीवन की गारंटी :-ग्राम पंचायत दौपुरा की मछला देवी ने शिविर में वृद्धावस्था पेंशन की समस्या रखी। उनके परिवार की दयनीय स्थिति जानकर शिविर अधिकारियों ने तुरंत उनकी पेंशन स्वीकृत कर दी। उन्होंने कहा कि अब हर माह मिलने वाली राशि से उनका परिवार सहजता से चल सकेगा।

किसानों के लिए सुरक्षा कवच बनी फसल बीमा योजना :-गौलारी निवासी किसान हाकिम पुत्र किशन गुर्जर को कृषि विभाग ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ दिलाया। उन्हें मौके पर ही फसल बीमा पॉलिसी दी गई। हाकिम ने कहा कि यह योजना किसानों के लिए सुरक्षा कवच है, जिससे अचानक आने वाली विपदा में सहारा मिलेगा।

खाता विभाजन से मिटा वर्षों पुराना विवाद :-ग्राम झण्डेकापुरा में उर्मिला, विद्याराम, निरोती, माया, रामबेटी, रामअवतार और सोमोती सहित सात खातेदारों का वर्षों से लंबित खाता विभाजन शिविर में ही निस्तारित कर दिया गया। मौके पर कागज़ात तैयार होने और विवाद खत्म होने पर सभी लाभार्थियों के चेहरे पर संतोष और कृतज्ञता झलक उठी।

25 साल पुरानी गलती का निस्तारण :-ग्राम देवखेड़ा के पंकज पुत्र पूरन सिंह के रिकॉर्ड में जाति ग़लत दर्ज थी। ग्रामीण सेवा शिविर में ही राजस्व टीम ने इसे सुधारकर उन्हें सही प्रमाण पत्र सौंप दिया। त्वरित कार्रवाई से उनकी 25 वर्ष पुरानी समस्या मिट गई और उन्होंने खुशी जताते हुए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया।

सरकार की संवेदनशील पहल :-धौलपुर जिले के ये उदाहरण बताते हैं कि ग्रामीण सेवा शिविर केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि आमजन की समस्याओं का वास्तविक समाधान हैं। पशु बीमा से लेकर फसल बीमा, पेंशन से लेकर पट्टे और नाम शुद्धि तककृहर वर्ग के लोग इन शिविरों से लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील पहल और प्रशासन की तत्परता से ग्रामीण सेवा शिविर आमजन के जीवन में विश्वास, राहत और नई उम्मीद जगाने में मील का पत्थर साबित हो रहे हैं।

राजकुमार मीणा, सहायक निदेशक, ईशा सैनी, एपीआरओ

''गिवअप अभियान'' में भीलवाड़ा जिला राज्य में प्रथम स्थान पर रहा

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं खाद्य मंत्री के कुशल निर्देशन में गिवअप योजना में राज्य के साथ कदम मिलाकर भीलवाड़ा जिले ने भी गिवअप योजना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जहां एक ओर प्रदेश में 33.38 लाख लोगों ने एनएफएसए की योजना के लाभ का त्याग किया वहीं दूसरी ओर जिले में 170753 लोगों ने गिवअप कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

गिवअप अभियान राज्य में सामाजिक न्याय, खाद्य सुरक्षा सूची शुद्धिकरण, स्वैच्छिक त्याग की भावना व निर्धन सेवा का पर्याय बन गया है। गिवअप अभियान की ऐतिहासिक सफलता को देखते हुए इसकी अवधि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी गई है। इस योजना के तहत चार पहिया वाहन मालिकों, आयकरदाताओं, एक लाख से अधिक वार्षिक आय वाले लोगों एवं अन्य सम्पन्न वर्ग के लोगों ने स्वेच्छा से एनएफएसए योजना के लाभ का त्याग कर समाज के विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। राज्य सरकार ने यह घोषणा की है कि अन्तिम तिथि 31.10.2025 के बाद सम्पन्न किन्तु अपात्र लाभार्थियों के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्यवाही करते हुए 30 रूपये 57 पैसे प्रति किलोग्राम गेंहू की दर से वसूली की जायेगी।

जिला रसद अधिकारी अमरेन्द्र कुमार मिश्र ने बताया कि जिले में जहां एक ओर गिवअप योजना एवं ई-केवाईसी योजना के तहत कुल 246755 लोगों को एनएफएसए योजना से हटाने में सफलता मिली है। वहीं दूसरी ओर जिले में 220789 लोगों को एनएफएसए योजना में शामिल कर उन्हें समाज की मुख्य धारा में जोड़ा जाकर उनकी आर्थिक स्थिति को सम्बल बनाया जा रहा है। इन नये लाभार्थियों को प्रतिमाह 05 किलोग्राम प्रति यूनिट नि:शुल्क गेहूँ के साथ-साथ मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना के तहत 450 रूपये में प्रति परिवार प्रति वर्ष 12 घरेलू गैस सिलेण्डर, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में परिवार का नि:शुल्क पंजीकरण एवं 25 लाख रूपये तक नि:शुल्क ईलाज तथा मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना में परिवार का 10 लाख रूपये तक नि:शुल्क दुर्घटना बीमा का लाभ भी मिल सकेगा। जिले में 246755 लोगों के एनएफएसए योजना के हटने पर प्रतिमाह 3.77 करोड़ रूपये की प्रतिमाह सब्सिडी की बचत होगी।

राशिफल शनिवार 27 सितम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र रात्रि 1:08 तक, प्रीति योग रात्रि 11:49 तक, बालव करण दिन 12:04 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-तुला, बुध-कन्या, गुरू-मिथुन, शुक्र-सिंह, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रात: 7:07 तक है, रात्रि 1:08 से पुन: आरम्भ होगा। आज नत पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:50 से 9:19 तक, चर 12:18 से 1:47 तक, लाभ-अमृत 1:47 से 4:46 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

मेष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

धनु
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

कन्या
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मिथुन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 171 प्रभात जालोर, शनिवार 27 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप ने दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया, एक अक्टूबर से लागू होगा

ट्रंप के इस फैसले से भारतीय फार्मा उद्योग प्रभावित होंगे, जिनका 45 प्रतिशत बिज़नैस अमेरिका के साथ है

- ट्रंप ने घोषणा की है कि इस टैरिफ वृद्धि से उन फार्मा कंपनियों को राहत मिलेगी, जो अमेरिका में ही मैन्युफैक्चरिंग केन्द्र बनाने की तैयारी कर रही हैं।
- अमेरिका, भारत के फार्मा उद्योग का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है। वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल फार्मा एक्सपोर्ट का 31 प्रतिशत अमेरिका को हुआ था और इस वर्ष 2025 की पहली छमाही में 3.7 अरब डॉलर का फार्मा निर्यात हो चुका है।
- ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले की जानकारी दी, साथ ही किचन कैबिनेट, बाथरूम वैनिटीज़ और फर्नीचर पर भी टैरिफ बढ़ाने की घोषणा की।
- ट्रंप टैरिफ वृद्धि का कोई वैध कारण नहीं बता सके, पर उन्होंने कहा, देश की सुरक्षा के लिए टैक्स वृद्धि जरुरी है।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने गुरुवार को घोषणा की कि 1 अक्टूबर 2025 से ब्रांडेड और पेटेंट दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ (शुल्क) लगाया जाएगा। भारत की फार्मास्यूटिकल्स (दवा) इंडस्ट्री, जो अमेरिका के साथ व्यापार पर अत्यधिक निर्भर है, इस फैसले से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है।

ट्रंप ने "ट्रुथ सोशल' पर कहा, "1 अक्टूबर 2025 से, हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल उत्पाद पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जब तक कि संबंधित कंपनी अमेरिका में अपनी फार्मा मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का निर्माण नहीं कर रही हो।

ट्रंप की यह पोस्ट स्पष्ट करती है कि अगस्त में शुरु किए गए ट्रेड फ्रेमवर्क्स और आयात करों के बावजूद उनकी टैरिफ नीति जारी है। उनका मानना है कि इन टैक्सों से सरकार का बजट घाटा कम होगा और घरेलू निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे स्पष्ट किया: "इज बिल्डिंग" की परिभाषा होगी, निर्माण कार्य शुरू करना या निर्माणाधीन होना। यदि निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है, तो ऐसे फार्मास्यूटिकल उत्पादों पर टैरिफ नहीं लगेगा। इस विषय पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद।

ट्रंप की इस टैरिफ नीति के तहत अन्य उत्पादों पर भी शुल्क लगाया गया है, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम वैनिटीज़ पर 50 प्रतिशत शुल्क, तैयार फर्नीचर पर 30 प्रतिशत, भारी ट्रकों पर 25 प्रतिशत शुल्क, हालांकि ट्रंप ने इन टैरिफों के लिए कोई कानूनी आधार नहीं बताया, उन्होंने राष्ट्राध्यक्ष के रूप में अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए कहा कि ये टैक्स "राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य कारणों" से आवश्यक हैं।

अमेरिका भारत के फार्मास्यूटिकल उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत के कुल 27.9 बिलियन (लगभग 2.47 लाख करोड़) मूल्य के दवा निर्यात में से 31 प्रतिशत या 8.7 बिलियन डॉलर (77,138 करोड़) अमेरिका को भेजे गए थे। वहीं 2025 के पहले 6 महीनों में ही भारत ने अमेरिका को 3.7 बिलियन डॉलर (32,505 करोड़) के फार्मा उत्पाद भेजे हैं

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका में उपयोग होने वाली 45 प्रतिशत से अधिक जैनरिक और 15 प्रतिशत बायोसिमिलर दवाएं भारत से भेजी जाती हैं। रेड्डीज़, ऑरबिंदो फार्मा, ज़ायडस लाइफसाइंसेज, सन फार्मा और ग्लैंड फार्मा जैसी कंपनियां अपनी कुल आय का 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अमेरिकी बाजार से कमाती हैं। हालांकि नई अमेरिकी टैरिफ नीति मुख्यत: बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा बनाए गए ब्रांडेड और पेटेंटेड दवाओं को लक्ष्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस एस.पी. शर्मा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने

जयपुर, 26 सितम्बर। राजस्थान हाईकोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की है। अधिसूचना में कहा गया कि 27 सितंबर को मौजूदा सीजे केआर

- जस्टिस शर्मा का रिटायरमैंट 26 सितंबर 2026 को होगा।

श्रीराम के सेवानिवृत्त होने के कारण जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा को कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

जस्टिस एसपी शर्मा का जन्म 27 सितंबर, 1964 को हुआ था। एलएलबी करने के बाद उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट में वकालत करना आरंभ किया। उन्हें 16 नवंबर, 2016 को हाईकोर्ट में वकील कोटे से न्यायाधीश नियुक्त किया गया। इसके बाद जनवरी, 2022 में पटना हाईकोर्ट में उनका तबादला किया गया। जहां से इन्हें पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट भेजा गया। इसके बाद गत 14 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट में तबादला किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दशकों से अमेरिका आयातित "ड्रग्स" पर निर्भर है

इस निर्भरता का रातों-रात अमेरिका में प्रोडक्शन नहीं विकसित किया जा सकता

- इसीलिए, ट्रंप द्वारा फार्मास्युटिकल्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा में कई "रास्ते" (लूप होल्स) छोड़े गये हैं। उदाहरण के लिए, जो फार्मास्युटिकल कंपनी अमेरिका में अपनी "प्रोडक्शन यूनिट" लगाने का प्रस्ताव रखती है, उन पर टैरिफ कम लगेगा।
- साथ ही, 100 प्रतिशत टैरिफ सभी "जैनरिक दवाइयों" (मूल दवा) पर नहीं लगेगा, बल्कि फार्मास्युटिकल कंपनी के "पेटेन्टैड प्रोडक्ट्स" पर ही लगेगा।
- विदेशी कंपनियों को अमेरिका में प्रोडक्ट्स की सुविधा लगाने की नीति का यूरोप व इंगलैंड पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। उदाहरण के लिए, जानी मानी ड्रग्स कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम सालों से इंगलैंड में जमी हुई थी, पर वह अपना एक्सपैंशन इंगलैंड में नहीं, बल्कि अमेरिका में शिफ्ट कर रही है।
- इसी प्रकार किचन कैबिनेट आदि फर्नीचर के पुराने व प्रतिष्ठित निर्माता, स्वीडन की कंपनियों को भारी नुकसान की आशंका है, क्योंकि अमेरिका उनके लिए बड़ा, शायद सबसे बड़ा ग्राहक है।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। जैसा कि पहले से चेतावनी दे रहे थे, अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने कुछ चुनिंदा उत्पादों पर नया टैरिफ (आयात शुल्क) लगा दिया है। इस बार के टैरिफ पहले के मुकाबले अलग हैं, क्योंकि ये खास उद्योगों पर केन्द्रित हैं।

ट्रम्प ने दवाओं, ट्रकों, किचन कैबिनेट्स और फ़र्नीचर पर टैरिफ लगाया है। इनमें से दवाओं के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका हो सकता है, क्योंकि भारत अमेरिका को दवाओं का प्रमुख निर्यातक है। यह कदम अमेरिका के लिए भी उल्टा पड़ सकता है, क्योंकि टैरिफ के कारण दवाओं की कीमतें बढ़ सकती हैं।

उद्योग संघों और व्यापार संगठनों को डर है कि एक अक्टूबर से लागू होने वाले इन नए टैरिफ के कारण मरीजों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिका लंबे समय से दवाओं और अन्य मैडिकल केयर उत्पादों के आयात पर निर्भर रहा है। अब रातों-रात घरेलू उत्पादन इनकी जगह नहीं ले सकते।

ट्रम्प ने नए टैरिफ को भविष्य की निवेश योजनाओं से जोड़कर तय किया है। जो कंपनियाँ अमेरिका में बड़े निवेश की योजना बनाएँगी, उन्हें कम या बिल्कुल टैरिफ नहीं देना पड़ेगा। इन निर्णय का सीधा मकसद कंपनियों को अपने पुराने देशों से निकलकर अमेरिका में आकर निवेश करने के लिए लुभाने का प्रयास है

पूर्व में ऐसे तरीकों को प्रमुख पश्चिमी अर्थव्यवस्थाएँ, जिनमें अमेरिका भी शामिल है, अनुचित और अस्वीकार्य मानती थीं। अब वही अमेरिका इस तरह की भेदभावपूर्ण नीतियों को खुले तौर पर अपना रहा है।

दवाओं पर यह टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। भारत अमेरिका को जेनेरिक दवाएँ और ऐसा कच्चा माल भी भेजता है, जिससे अन्य दवाएँ तैयार होती हैं।

हालाँकि थोड़ी राहत यह है कि टैरिफ का दायरा कुछ सीमित रखा गया है। यह टैरिफ विशुद्ध रूप से जेनेरिक दवाओं और उनके कच्चे माल पर लागू नहीं है। इससे मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों की ब्रांडेड दवाओं को निशाना बनाया जा रहा है। अमेरिका में दवा कंपनियों द्वारा प्रस्तावित निवेश के लिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रॉनल्ड रीगन के फॉर्मूले को दोहरा रहे हैं मोदी

पूर्व राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने सेल्स टैक्स में भारी कटौती कर जनता को काफी रकम उपलब्ध कराई, खर्चा करने के लिए

- इससे उस समय अमेरिका में "डिमांड" में भारी वृद्धि हुई, जिससे प्रोडक्शन बढ़ा और इन्वैस्टमैंट बढ़ा इण्डस्ट्री में।
- मोदी ने भी 12 लाख करोड़ रूपए की आय को इनकम टैक्स फ्री करके जनता के हाथ में पैसा दिया तथा जीएसटी भी कम किया, जिससे रोजमर्रा के काम आने वाली चीजों की कीमत भी काफी घटी।
- इसके साथ, अमेरिका द्वारा खड़ी की गई टैरिफ की दीवार के कारण, अमेरिका के मार्केट के लिए बनी वस्तुएं आगे नहीं खिसक रही थीं तथा कारखानों के गोदामों में फिनिश्ड गुड्स भरे हुए थे। अतः कंपनियों को भारी मदद मिली, अपने रूके हुए सामान से भारत के डॉमेस्टिक बाज़ार की "डिमांड" पूरी करने में।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितंबर। सरकार यह दिखाना चाहती है कि वह जनता के हित में काम कर रही है और लाभ लोगों को दे रही है। यही सरकार पहले ही आयकर में 12 लाख रुपये सालाना तक की छूट देकर जनता को बड़ा तोहफ़ा दे चुकी है। इन दोनों रियायतें को मिलाकर लोगों के हाथों में लगभग 2.50 लाख करोड़ रुपये बचेंगे और यह लाभ त्योहार के इस सीज़न में उनकी खरीददारी की क्षमता बढ़ाएगा। यह कोई नया आर्थिक प्रयोग नहीं, बल्कि जानी मानी आर्थिक रणनीति है, जिसे पहले भी कई बार आज़माया जा चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति रॉनल्ड रीगन ने बड़े पैमाने पर टैक्स कटौती की थी और उम्मीद की थी कि लोगों के हाथ में ज़्यादा पैसा रहने से मांग बढ़ेगी और पूरी अर्थव्यवस्था में निवेश व उत्पादन का चक्र तेज़ होगा। यह प्रयोग अमेरिका में सफल रहा और मांग, उत्पादन और निवेश का सकारात्मक चक्र बना।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनमोहन सिंह के नाम पर कांग्रेस मुख्यालय में पुस्तकालय खुला

नयी दिल्ली, 26 सितबर। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुरुवार को यहां पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नाम पर अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय का उद्घाटन

- सोनिया गांधी और खड़गे ने अनुसंधान केन्द्र व पुस्तकालय का उद्घाटन किया।

किया। इसका नाम डॉ. मनमोहन सिंह अनुसंधान केन्द्र और पुस्तकालय रखा गया है। यह केन्द्र कांग्रेस के नये मुख्यालय इंदिरा भवन में स्थापित किया गया है। इस केन्द्र पर डॉ. सिंह की पुस्तकें, उनके लेख और भाषणों के संकलन रखे गये हैं।

इस मौके पर डॉ. सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में विपक्ष

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान ने फिर दोहराया, ट्रंप ने रूकवाया था भारत-पाक युद्ध

पाक प्र.मंत्री शहबाज़ शरीफ और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की अमेरिका यात्रा पर जारी अधिकृत बयान में पाकिस्तान ने ट्रंप के दावे का समर्थन किया

- पाकिस्तानी बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत-पाक सीज़फायर करवाने के लिए ट्रंप के साहसिक व निर्णायक नेतृत्व की प्रशंसा की। यह बात एक तरह से पाकिस्तान की स्वीकारोक्ति है कि ट्रंप ने सीज़फायर करवाया था।
- हालांकि, भारत ने बार-बार कहा है कि सीज़फायर में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं है। भारत ने कहा कि 22 अप्रैल (पहलगाम) अटैक से लेकर 17 जून (सीज़फायर घोषणा) तक ट्रंप और मोदी के बीच फोन पर कोई बात नहीं हुई थी।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। क्या पाकिस्तान ने यह स्वीकार कर लिया है कि अमेरिका ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के साथ संघर्षविराम सुनिश्चित करने में उसकी मदद की थी? पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर की अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ हुई बातचीत के विवरण से संकेत मिलता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने संघर्षविराम शुरू करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भारत ने कई बार इन दावों का खंडन किया है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उस संघर्षविराम में कोई भूमिका निभाई थी, जो अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले (जिसमें 26 पर्यटक मारे गए थे) के बाद, पाकिस्तान में आतंकी और सैन्य ढांचे पर की गई एयरस्ट्राइक्स के बाद लागू हुआ था।

लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी पाकिस्तान के नेताओं की तरह ही दावा किया है कि वे भी एक कारण रहे थे, जिसकी वजह से दोनों परमाणु-शक्ति संपन्न पड़ोसी देश संघर्षविराम पर सहमत हुए और तनाव को बढ़ने से रोका गया। पाकिस्तानी बयान में कहा गया: "प्रधानमंत्री मुहम्मद शहबाज़ शरीफ़ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने आज ओवल ऑफिस में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान-भारत संघर्षविराम को सुविधाजनक बनाने में राष्ट्रपति ट्रंप के साहसिक, निर्णायक और दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की और गाज़ा में संघर्ष को तुरंत समाप्त करने तथा मध्य पूर्व में शांति बहाल करने के प्रयासों के तहत, मुस्लिम जगत के प्रमुख नेताओं को आमंत्रित करने की उनकी पहल की प्रशंसा की।"

बयान में आगे कहा गया: "नेताओं ने द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा की, जिसमें प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान के प्रमुख क्षेत्रों में अमेरिकी निवेश को आमंत्रित किया और सुरक्षा तथा खुफिया सहयोग को और बढ़ाने की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस सौमेन सेन मेघायलय के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त

नयी दिल्ली, 26 सितबर। राष्ट्रपति द्रौपदी मूर्मु ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया है।

- वे वर्तमान में कलकत्ता हाईकोर्ट के न्यायाधीश हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी गई।

अधिसूचना में कहा गया है, "राष्ट्रपति भारत के संविधान के अनुच्छेद 217 के खंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सौमेन सेन को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति उनके कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से प्रभावी होगी।"

आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपना काम काज "ऑफिस सुईट ज़ोहो" पर शिफ्ट किया

जैसा कि विदित ही है, ज़ोहो कॉर्पोरेशन एक भारतीय बहुराष्ट्रीय प्रौद्योगिक है, जो कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर और वैब आधारित बिज़नेस सॉफ्टवेयर प्रोडक्ट्स बनाती है

- भारत सरकार की विदेशी, अमेरिकी आदि कंपनियों पर निर्भरता कम करने की दृष्टि से "स्वदेशी टैक्नॉलजी को देश में पनपाने की मुहिम ही शायद एक रास्ता है, विदेशी सरकारों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों के चंगुल से मुक्त होने का।
- पर, इस मुहिम की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि भारत की जनता इन स्वदेशी टैक्नॉलजी वाली कंपनियों के प्रोडक्ट्स को कितनी जल्दी और तत्परता से अपनाती है।
- "स्वदेशी टैक" को भी जनता तभी स्वीकार करेगी, जब ये प्रोडक्ट्स, विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के मुकाबले कमज़ोर साबित न हों।
- ऐसे प्रोडक्ट बनाने के लिए, लगातार आर. एण्ड डी. पर भारी खर्च करना होगा तथा भारतीय कामगारों में "स्किल" (हुनर) भी किसी अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में पोचा न पड़े तथा सरकार की नीतियों का पूर्ण सहयोग व प्रोत्साहन मिले इस "स्वदेशी टैक" को।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह अपील कि भारतीय लोग "स्वदेशी टैक" को अपनाएँ, तकनीक में आत्मनिर्भरता की बहस को दोबारा तेज कर रही है। आत्मनिर्भर भारत की बड़ी सोच के हिस्से के रूप में पेश की गई यह पहल विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करने और भारत को नवाचार का वैश्विक केन्द्र बनाने का लक्ष्य रखती है।

स्वदेशी टैक का यह प्रयोग पूरे देश में एक जन आंदोलन बनेगा या सिर्फ प्रतीकात्मक कदम रह जाएगा, यह इस बात पर निर्भर करता है कि चुनौतियों को कितनी जल्दी और प्रभावी ढंग से निपटाया जाता है। केवल नीतिगत मदद, नवाचार और बाज़ार में स्वीकार्यता का मेल ही यह सुनिश्चित कर सकता है कि स्वदेशी टैक भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता का ठोस आधार बने।

सरकार ने इस एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नीतिगत कदमों के साथ प्रतीकात्मक काम भी किए हैं। केन्द्रीय आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का भारतीय ऑफिस सॉफ़्टवेयर सूट ज़ोहो का उपयोग शुरु करना घरेलू विकल्पों को बढ़ावा देने की महत्वपूर्ण मिसाल है। अखिल भारतीय व्यापारी महासंघ की राष्ट्रीय मुहिम मोदी की अपील को जन आंदोलन में बदलने की कोशिश कर रही है। इसी बीच, मेक इन इंडिया और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) जैसी योजनाएँ स्टार्टअप्स और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को घरेलू तकनीकी समाधान विकसित करने और बढ़ाने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन और इन्फ्रस्ट्रक्चर सम्बंधी मदद दे रही हैं।

भारत के पास स्वदेशी टैक के सपने को पूरा करने की मजबूत नींव मौजूद है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राहुल की याचिका खारिज की

प्रयागराज, 26 सितंबर। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सिख समुदाय से जुड़े विवादित बयान को लेकर दायर निगरानी याचिका के

- राहुल गांधी ने सिख सम्बंधी विवादित बयान पर एमपी-एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी।

खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की याचिका को खारिज कर दिया है। न्यायाधीश समीर जैन की अदालत ने इस मामले में सभी पक्षों की बहस पूरी होने के बाद तीन सितंबर को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था, जिस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिश्वत लेने के आरोपी इनकम टैक्स के दो अधिकारियों को चार-चार साल की सजा

पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को सीबीआई ने मार्च 2015 में रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा था

- सीबीआई मामलात की अदालत ने 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया
- सीबीआई मामलात की अदालत ने बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी किया

जोधपुर, (कासं)। सीबीआई मामलात की अदालत ने पंद्रह लाख रुपए की रिश्वत लेने के मामले में इनकम टैक्स विभाग के पूर्व मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा और पूर्व आईटीओ शैलेंद्र भंडारी को चार-चार साल की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने दोनों पर 1.10 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। स्पेशल सीबीआई कोर्ट के जज भूपेंद्र सनाढ्य ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। वहीं बिचौलिए की भूमिका निभाने वाले ज्वेलर को बरी कर दिया।

जानकारी के अनुसार मामला 31 मार्च 2015 का है। बाड़मेर के व्यापारी की शिकायत के बाद पवन कुमार शर्मा, शैलेंद्र भंडारी और ज्वेलर चंद्रप्रकाश कट्टा को गिरफ्तार किया गया था। बाड़मेर के व्यापारी किशोर जैन ने सीबीआई को शिकायत दी थी। इसमें बताया था कि आयकर विभाग ने उसकी टैक्स देनदारी को मूल 2.5 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 12 करोड़ रुपए कर दिया था। इस मामले को निपटाने के लिए विभाग के अधिकारियों ने शुरुआत में 25 लाख रुपए की रिश्वत की मांग की थी। बाद में बातचीत के बाद 23 लाख रुपए तय हुई। किशोर जैन की शिकायत के बाद सीबीआई ने ट्रैप ऑपरेशन की योजना बनाई। तब 31 मार्च 2015 को जौहरी चंद्रप्रकाश कट्टा के शोरूम पर शैलेंद्र भंडारी को 15 लाख रुपए की रिश्वत लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया। यह रकम मुख्य आयकर आयुक्त पवन कुमार शर्मा की तरफ से ली जा रही थी। इस ऑपरेशन में सीबीआई ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया था।

गिरफ्तारी के बाद सीबीआई की जांच में हैरान करने वाली जानकारी सामने आई। पवन कुमार शर्मा के पास जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बेंगलुरु में कुल 400 करोड़ रुपए की संपत्ति होने का पता चला। इनमें बंगले और फार्म हाउस शामिल थे। इन्हें लग्जरी फर्नीचर और बेशकीमती सामान से सजाया गया था, जिनकी कीमत भी करोड़ों रुपए में थी। बंगलों के हर कमरे में 18-18 हजार रुपए के डिजाइनर पंखे लगे थे। पवन कुमार को चांदी के कप में चाय पीने और सोने के चम्मच का इस्तेमाल करने का शौक था। उसके घर से 50 बोतल महंगी विदेशी शराब भी बरामद हुई थी। सीबीआई ने तीनों आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया था। आरोप था कि विभाग के अफसरों ने किशोर जैन से उसकी कंपनी के वर्ष 2012-13 के आयकर असेसमेंट को सुलझाने के लिए 23 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी।

गौरतलब है कि व्यापारी किशोर जैन के यहां बाड़मेर के असिस्टेंट कमिश्नर ने आयकर सर्वे कराया था। गलत ढंग से पांच करोड़ रुपए डिमांड निकाल दी। जॉइंट कमिश्नर जय सिंह से शिकायत की तो उन्होंने उल्टा व्यापारी और उसके क्लाइंट के खाते सीज करा दिए थे।

व्यापारी ने कमिश्नर अपील में मामला उठाया था। फैसला उसी के पक्ष में आया था। इसके बावजूद आयकर अधिकारियों ने कारोबारी के खाते नहीं खुलने दिए थे। लगातार चीफ कमिश्नर से मिलने का दबाव बनाया गया था। व्यापारी जोधपुर में तत्कालीन आयकर अधिकारी और चीफ कमिश्नर से मिला था। उससे 25 लाख रुपए घूस मांगी थी, जिसमें 23 लाख रुपए देना तय हुआ। अधिकारियों ने पैसा बिचौलिए ज्वेलर के यहां पहुंचाने को कहा था। इसके बाद व्यापारी ने मामला सीबीआई तक पहुंचाया था। इस मामले की जांच सीबीआई ने बारीकी से की थी, जिसमें यह साबित हुआ कि दोनों अधिकारियों ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए ज्वेलर्स से अवैध राशि ली। अदालत ने दोनों आरोपियों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उन्हें चार-चार साल की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। मामले में बिचौलिए ज्वेलर्स चंद्रप्रकाश कट्टा को दोषमुक्त कर दिया गया है। मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पीके शर्मा और शैलेंद्र भंडारी ने भ्रष्टाचार के जघन्य कृत्य किए, जो सार्वजनिक विश्वास के लिए गंभीर चोट हैं। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि भ्रष्टाचार के मामलों में किसी भी स्तर पर सख्ती आवश्यक है।

सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। फलोदी पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया ने बताया कि गत 18 सितंबर को पीड़िता ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके दूर के रिश्तेदारों ने उसे कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर बेहोश कर दिया। इसके बाद उसकी अश्लील तस्वीरें खींचकर वायरल करने की धमकी दी गई और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने विशेष टीम गठित की। टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अचलाराम और कालुराम को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या का आरोपी पुत्र गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। शेरगढ़ पुलिस ने गत 19 सितंबर को आपसी कहासुनी के बाद पिता की हत्या करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि पिता और पुत्र के बीच छोटी सी बात पर विवाद हुआ था। तैश में आकर श्रवण ने अपने पिता रूपाराम मेघवाल पर लाठी से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद वह घटना छुपाकर कमरे में बंद हो गया। अगले दिन बीस सितंबर को वह पत्नी की चतुर्थ श्रेणी परीक्षा दिलाने जोधपुर गया और फिर ससुराल फलसूंड चला गया। फिर 22 सितंबर को वापस शेरगढ़ लौटने पर पिता के बारे में पूछताछ होने पर वह घबराया और फलसूंड चला गया।

कोठारी बांध में महिला की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के नंदराय क्षेत्र में कोठारी नदी पर बने कोठारी बांध में शुक्रवार सुबह एक महिला का शव पानी में तैरता हुआ दिखाई दिया, बाद में महिला का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर कोटड़ी व बिगोद थाना पुलिस मुख्य पर पहुंची। बताया जा रहा है कि महिला का शव करीब 5 से 6 दिन पुराना हो सकता है। मौके पर पहुंची शव को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। सहायक उप निरीक्षक कैलाश प्रजापत ने बताया कि महिला के शव को बांध के पानी से बाहर निकाल कर शिनाख्त का प्रयास किया जाएगा। लाश मिलने की खबर क्षेत्र में फैलने से आसपास से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ बांध पर जमा हो गई।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर, जिला - पाली

क्रमांक : न.पा.सु/विकास/ई-निविदा/2025-26/5953 दिनांक 23.09.2025

-: ई-निविदा 11/2025-26 सूचना :-

नगरपालिका मण्डल, सुमेरपुर की ओर से मान्यता प्राप्त पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा द्वारा 01 विकास कार्यो की कुल लागत 15.00 लाख रूपये की निविदा आमंत्रित की जाती है। आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/ अस्वीकृत करने का अधिकार ई-निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। ई-निविदा की विस्तृत जानकारी व शर्तें कार्यालय में एवं विभाग की वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व पढी जा सकती है।

जिनके UBN No. निम्नलिखित है:-

1. DLB2526WSOB19444

Bid Selling Last Date	06-10-2025/10.00am

राज.संवाद/सी/25/10971 — प्रशासक, नगरपालिका, सुमेरपुर — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका, सुमेरपुर

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक:- 186 दिनांक:- 18.09.2025

ई-निविदा सूचना

नगरपालिका सूरौठ में निर्माण कार्य/विकास कार्य के लिए आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 नगर पालिका/नगर परिषद/नगर निगमों/ नगर विकास निकायों, जयपुर विकास प्राधिकरण, आवासन मण्डल व केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के विभाग द्वारा मान्सता प्राप्त पंजीकृत संवेदको, प्लेसमेंट एजेन्सी एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको, जो कि राजसथान सरकार के एए,ए,बी. श्रेणियों के संवेदकों/फर्मो के समकक्ष हो,से कार्यो हेतू ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ई-निविदा प्राप्त की जावेगी। ई-निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.raj.gov.in पर देखी जा सकती है।

UBN NO. DLB2526WSOB19328

राज.संवाद/सी/25/10853 — अध्यक्ष, नगर पालिका सूरौठ — अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका सूरौठ

पिकअप-ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर में बालिका की मौत, 21 जने घायल

कोटा, (निसं)। सिमलिया थाना इलाके के नेशनल हाइवे नंबर-27 पर पिकअप चालक ने पीछे से ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी ट्रॉली पलटा खा गई, जिसके नीचे दबने से ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार बालिका की मौत हो गई एवं 21 जने घायल हो गये।

जानकारी के अनुसार माली समाज के लोग कोटा के चारगांव, डाबर बमोरी व अन्य गांव से देवताओं की रसोई लेकर ट्रैक्टर-ट्रॉली से झालावाड़ के मऊ महाराज जा रहे थे, तभी सीमलिया थाना इलाके में चींसा के पास भीषण सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे में घायलों को कोटा के एमबीएस अस्पताल लाया गया, जहां घायल बालिका ने दम तोड़ दिया। सीमलिया थानाधिकारी सुरेश शर्मा ने बताया कि ट्रैक्टर ट्रॉली में 35 से 40 व्यक्ति बैठे थे, यह नेशनल हाइवे-27 पर गढ़ेपान से बारां रोड की तरफ जा रही थी। पीछे से आई पिकअप ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को टक्कर मार दी। जिससे ट्रॉली पलट गई और सवारियां दब गई। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, आसपास के लोगों ने सवारियां निकाली और एंबुलेंस से कोटा के एमबीएस अस्पताल भेजा। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे में डाबर बमोरी निवासी 11 वर्षीय रश्मि पुत्री शुभकरण माली की मौत हो गई। थानाधिकारी ने बताया कि हादसे के बाद पिकअप को डिटेन कर लिया है। मौके से पिकअप चालक फरार हो गया। मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश जारी है। हादसे में पिकअप पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी के अनुसार घायलों में कन्हैया लाल, बाबूलाल, सुगना बाई, मनभर, शिवनंदन, बद्री लाल, कुंज बिहारी, चेतन, विशाल, विहान, दिव्यांशी, विमला बाई, सीता, निशा, लक्ष्मी, विमला, राजेश व मिष्ठी है।

ट्रक वालों से ठगी मामले में नकली सेल्स ऑफिसर गिरफ्तार

आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है, इस समय आरोपी की मां सरपंच है

- आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे पर ट्रक वालों को शिकार बनाता था, आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर दर्ज करवाई थी
- आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था, आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था
- मामले को लेकर पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर की सेवर थाना पुलिस ने एक नकली सेल्स ऑफिसर को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यक्ति पूर्व सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी की मां सरपंच है। आरोपी आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर सेल्स टैक्स ऑफिसर बनकर ट्रक वालों से ठगी करता था।

आरोपी के खिलाफ एक ट्रक ड्राइवर ने एफआईआर करवाई है। आरोपी का दो दिन पहले एक वीडियो भी सामने आया था जो वायरल हो रहा था। आरोपी को कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया था। जब आरोपी से पूछा गया कि वह किस विभाग से है तो, वह तरह-तरह के बहाने बनाता नजर आ रहा है। दो दिन पहले आरोपी का वीडियो सामने आया था। ग्रामीण सीओ आकांशा चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले एक वीडियो सामने आया था। वह वीडियो मलाह गांव इलाके का था। जिसमें आरोपी महावीर यादव निवासी गुरिया थाना जुरहरा जिला डीग ट्रक वालों से ठगी कर रहा था तो, उसे कुछ ट्रक वालों ने पकड़ लिया। वीडियो में ट्रक वाले महावीर से पूछ रहे हैं वह किस विभाग से है, जिस पर महावीर तरह-तरह के बनाते नजर आ रहा है। बाद में महावीर मौका पाते ही अपनी कार लेकर वहां से फरार हो जाता है। वीडियो पर तुरंत संज्ञान लेते ही पुलिस मामले की जांच में लगी। इसके साथ ही आज एक ट्रक ड्राइवर राहुल शर्मा ने आरोपी के खिलाफ एक्सटॉर्शन का मामला दर्ज करवाया, जिसके बाद पुलिस ने मामले पर तुरंत संज्ञान लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जिससे यह पता लगाया जा सके कि आरोपी ने अभी तक कितने लोगों से ठगी की है और वह किस तरह से ठगी करता था। जांच में यह सामने आया है कि आरोपी गुरिया गांव से सरपंच रह चुका है। इस समय आरोपी महावीर की मां फूलवती सरपंच है।

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2627-29 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 24.09.2025 से दिनांक 06.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 07.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A6325

UBN:-DLB2526WSOB19476, DLB2526WSOB19479, DLB2526WSOB19483

राज.संवाद/सी/25/10927 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रतनगढ़

नगरपालिका मण्डल, रतनगढ़ (राजस्थान)

क्रमांक-निर्माण शाखा/निविदा/2025/2665-67 दिनांक : 23.09.2025

निविदा सूचना

नगर पालिका रतनगढ़ की और से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजिकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र मे ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाऐ आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 25.09.2025 से दिनांक 07.10.2025 शाम 6 बजे तक अनुसार डाऊनलोड तथा अपलोड एंव दिनांक 08.10.2025 को सांय 5 बजे खोली जायेगी। समस्त कार्यो के लिए धरोहर राशि कार्य की अनुमानित लागत पर नगर पालिका रतनगढ़ में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 1/2 प्रतिशत राशि एवं अन्य विभागो में पंजिकृत सक्षम संवेदको द्वारा 2 प्रतिशत राशि का डी.डी. अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका रतनगढ़ के नाम व रूपये 500/- का चालान "M.D. RISL Jaipur" के नाम जयपुर में देय से ऑन लाईन निविदा खोलने से पूर्व नगर पालिका रतनगढ़ में प्रस्तुत करना होगा।

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.sppp.raj.nic.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB code- DLB2526A6333

UBN:- DLB2526WSOB19492, DLB2526WSOB19493, DLB2526WSOB19494, DLB2526WSOB19495, DLB2526WSOB19496, DLB2526WSOB19498, DLB2526WSOB19499, DLB2526WSOB19500, DLB2526WSOB19502, DLB2526WSOB19503, DLB2526WSOB19504, DLB2526WSOB19505, DLB2526WSOB19506, DLB2526WSOB19507, DLB2526WSOB19508, DLB2526WSOB19509

राज.संवाद/सी/25/10929 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रतनगढ़

दो ट्रकों में भिड़ंत के बाद आग लगी, एक चालक जिंदा जला

बीकानेर, (निसं)। यहां भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर दो ट्रकों में टक्कर के बाद आग लग गई। इसमें एक ट्रक का ड्राइवर जिंदा जल गया। हादसा लूणकरणसर के कालू थान क्षेत्र का है। हादसे में ड्राइवर केबिन में फंस गया था, जिसकी वजह से वह जिंदा जल गया।

कालू थानाधिकारी धर्मवीर ने बताया कि भारतमाला एक्सप्रेस-वे पर मनाड कोलाययत निवासी पेमाराम साइड में ट्रक लेकर खड़ा था। इस दौरान पीछे से आया खियेरा निवासी ओमप्रकाश स्पीड में आया और पेमाराम के ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद दोनों ट्रक में आग लग गई। थाना अधिकारी ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद ओमप्रकाश केबिन में फंस गया। इस दौरान उसने बाहर निकलने का प्रयास किया, लेकिन वह बाहर नहीं आ पाया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से ओमप्रकाश का शव बाहर निकाला। वहीं पेमाराम को लूणकरणसर हॉस्पिटल लाया गया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DIV. MANGROL

File No. 950 Date: 18.09.2025

Notice Inviting Bid

Bid for "BA-17.00/214.01/2025-26 Per Constituency Rs. 10.00, 15.00 Cr. NP/ML Road Work" NIT No. 11/2025-26 are invited from interested bidders up to 6.00 PM on 06.10.2025. Other Particulars of the bid may be visited on the procuremen portal (http:// eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 289.41 lacs.

UBN NO. 1. PWD2526WSOB12647, 2. PWD2526WSOB12648, 3. PWD2526WSOB12651, 4. PWD2526WSOB12652, 5. PWD2526WSOB12654, 6. PWD2526WSOB12655, 7. PWD2526WSOB12658

(Laxmi Narayan Meena) Executive Engineer PWD Division Mangrol

DIPR/C/14076/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-1820-37 दिनांक-23.09.2025

Notice Inviting Bid: 37-38/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 06.10.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 133.16 Lacs and maximum value of single work in this procurement is 78.53 Lac.

NIT NO.	37	38
UBN NO.	PHE2526WSOB06931	PHE2526WSOB06932

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

(धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा अभि विभाग, खण्ड कोलायत

DIPR/C/14006/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड निवाई

क्रमांक-3070-79 दिनांक-16.09.2025

निविदा सूचना संख्या-23/2025-26 खण्ड निवाई

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड निवाई में सडक/भवन निर्माण हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान एवं राज्य सरकार के अन्य विभागों तथा केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/ केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के "ए", एवं "एए" "बी", "सी", "डी" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट www.diproline.org व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं पर www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB CODE: PWD2526A3340, 1. PWD2526WSOB12466, 2. PWD2526WSOB12469, 3. PWD2526WSOB12473, 4. PWD2526WSOB12476, 5. PWD2526WSOB12477, 6. PWD2526WSOB12478

अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड निवाई

DIPR/C/13997/2025

1300 प्रिंसिपल का बिना आवेदन ट्रांसफर किया, देने होंगे भत्ते

- अगर किसी प्रिंसिपल का सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है

बीकानेर, (निसं)। जयपुर सहित राज्यभर के सैकड़ों टीचर्स को दो सौ से पांच सौ किलोमीटर लंबी दूरी तय करके अब नए स्थान पर काम करना होगा। ये किसी के लिए सजा साबित हुई है तो किसी के लिए राहत भरा आदेश है। जानकारी के अनुसार विभाग को उन टीचर्स को यात्रा सहित अन्य भत्ते देने पड़ रहे हैं, जिन्होंने ट्रांसफर के लिए आवेदन ही नहीं किया था। ऐसे प्रिंसिपल को हटाकर डिजायर वाले प्रिंसिपल को लगाया गया है। इस तबादला आदेश में राजस्थान के उन जिलों से भी प्रिंसिपल हट गए हैं, जहां से आमतौर पर ट्रांसफर अन्य जिलों में नहीं होते। डार्क जोन कहे जाने वाले पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश जिलों में पोस्टिंग करवाने के बाद प्रिंसिपल सहित अन्य टीचर्स वापस अपने गृह जिलों में चले जाते हैं। ऐसे में यहां पद फिर से रिक्त रह जाते हैं। इनमें जैसलमेर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, जालौर, सिरोही, बीकानेर, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, बारां और झालावाड़ है। यहां से बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को फिर से उनके गृह जिलों में भेज दिया गया है, जिससे सीमावर्ती जिलों में स्कूल फिर से खाली हो गए।

जैसलमेर में कुल 96 प्रिंसिपल के ट्रांसफर हुए। इससे यहां 11 स्कूलों में अब प्रिंसिपल नहीं रहे। दरअसल, जैसलमेर से जैसलमेर में तो महज बीस ही ट्रांसफर हुए हैं। शेष 74 प्रिंसिपल को जैसलमेर से अन्यत्र भेज दिया गया। सिफारिश और डिजायर के आधार पर ये प्रिंसिपल अपने-अपने गृह जिलों में चले गए। वहीं अन्य जिलों से जैसलमेर में भी तबादले हुए। इससे ये संख्या बढ़कर 85 तक पहुंची, लेकिन 11 स्कूल फिर भी बिना प्रिंसिपल के रह गए। कमोबेश ऐसे ही हालात अन्य जिलों के भी है।

बांसवाड़ा को इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। यहां से 72 प्रिंसिपल का ट्रांसफर हुआ लेकिन 79 की पोस्टिंग हुई। 92 में से 53 को तो बांसवाड़ा से बांसवाड़ा में ही इधर-उधर किया गया था। वहीं अन्य जिलों से भी 39 प्रिंसिपल को बांसवाड़ा में लगाया गया है। इसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर से तीन प्रिंसिपल का ट्रांसफर साढ़े छह सौ किलोमीटर दूर बांसवाड़ा में किया गया है। कभी डार्क जोन में रहे बाड़मेर को भी इस ट्रांसफर लिस्ट से फायदा हुआ है। दरअसल, यहां से 102 प्रिंसिपल के ट्रांसफर किए गए हैं, जिसमें 37 को बाड़मेर में ही लगाया गया, लेकिन 65 प्रिंसिपल बाडमेर छोड़ अपने गृह जिलों में या फिर सुविधाजनक जिलों में चले गए। वहीं बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को अन्य जिलों से बाड़मेर भेजा गया है। इसमें सर्वाधिक नागौर से बीस प्रिंसिपल साढ़े तीन सौ किलोमीटर दूर बाड़मेर भेजे गए हैं। चार प्रिंसिपल को तो अलवर से बाड़मेर भेजा गया है। दोनों जिलों के बीच सात सौ किलोमीटर की दूरी है। करीब चार सौ किलोमीटर दूर अजमेर से भी सात प्रिंसिपल को बाड़मेर भेजा गया है।

अगर किसी प्रिंसिपल को सरकार बिना आवेदन किए ट्रांसफर करती है तो एक लाख रुपए का खर्च आता है। ऐसे प्रिंसिपल को नए पोस्टिंग स्थल पर जाने के लिए दस दिन की छुट्टी के रुपए, चार जनों के टिकट, करीब बीस हजार रुपए ट्रक ट्रांसपोर्ट के रुपए देने पड़ते हैं। इनके अलावा भी कई छोटे बड़े खर्च को मिलाकर एक लाख रुपए का सरकार को भुगतान करना पड़ता है।

राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट एंड इनवेस्टमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(राजस्थान सरकार का उपक्रम)

उद्योग भवन, तिलक मार्ग, जयपुर- 302005, फोन-0141-2227751,4593201 ई-मेल-riico@riico.co.in वेबसाइट-riico.rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

रीको द्वारा निम्नांकित कार्यों/आपूर्ति/सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए सीलबंद निविदाऐं एवं राशि रू. 2.00 लाख से अधिक की निविदाऐं ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाइन निर्धारित प्रपत्र में eproc.rajasthan.gov.in पर आमंत्रित की जाती हैं:-

इकाई का नाम, UBN एवं कार्य की राशि (लाख रू. में):- ईपीआईपी सीतापुरा, जयपुर-इकाई कार्यालय के अंतर्गत औद्योगिक क्षेत्र ईपीआईपी, सीतापुरा प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ चरण एवं संस्थानिक क्षेत्र व विशेष आर्थिक क्षेत्र प्रथम एवं द्वितीय, रामचन्द्रपुरा, प्रहलादपुरा एवं आवासीय कॉलोनी में नियमित रख-रखाव एवं संधारण का कार्य। RDC2526WLOB00988(1017.88), RDC2526WSOB00990(1.76), RDC2526WSOB00992(1.76), RDC2526WSOB00993(1.87), अजमेर-नए औद्योगिक क्षेत्र केकड़ी विस्तार में विकास के कार्य। RDC2526WLOB01013(578.07), किशनगढ़-RDC2526WSOB01012(289.41), नीमराना-RDC2526WSOB00987(4.66), RDC2526WSOB00989(5.09), RDC2526WSOB00991(15.11), भरतपुर-RDC2526WSOB01003(446.91), दौसा-RDC2526WSOB00964(246.58), RDC2526WSOB00963(115.24), RDC2526WSOB00995(8.29), कोटा-RDC2526WSRC01004(415.48), RDC2526WSRC01005(2.46), RDC2526WSOB00996(1.91), RDC2526WSOB00999(15.66), RDC2526WSOB01002(11.67), जयपुर(दक्षिण)-RDC2526WSRC00961(4.95), बोरानाड़ा-RDC2526WSOB00962(46.13), RDC2526WSOB00966(99.55), अलवर-RDC2526WSOB00977(1.99), RDC2526WSOB00978(1.75), RDC2526WSOB00979(1.72), पाली-RDC2526WSOB00967(6.53), RDC2526WSOB00969(7.27), RDC2526WSOB00971(4.90), RDC2526WSOB00972(8.87), RDC2526WSOB00973(3.75), RDC2526WSOB00974(7.77), RDC2526WSOB00975(13.43), RDC2526WSOB00976(42.68), जोधपुर- RDC2526WSOB00980(7.00), बांसवाड़ा-RDC2526WSOB00985(6.41), जयपुर(उत्तर)- RDC2526WSOB00981(15.83), RDC2526WSOB00982(49.85), RDC2526WSOB00983(3.84), RDC2526WSOB00984(19.01), RDC2526WSOB00986(1.90), श्रीगंगानगर-RDC2526WSOB00994 (5.53), भिवाड़ी(प्रथम)-RDC2526WSOB00997(10.23), RDC2526WSOB00998(3.11), RDC2526WSOB01000(24.53), RDC2526WSOB01001(7.70), नागौर-RDC2526WSOB01006(1.88), RDC2526WSOB01008(1.68), RDC2526WSOB01009(1.91), RDC2526WSOB01010(1.49), भिवाड़ी(द्वितीय)-RDC2526WSOB01011(98.50)

कुल कार्यो की संख्या-49

निविदा का विस्तृत विवरण, नियम इत्यादि एवं भविष्य में निविदा में किसी प्रकार के संशोधन/तिथि बढ़ने की जानकारी हेतु वेबसाइट riico.rajasthan.gov.in/ www.eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in को देखें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: महाप्रबंधक (सिविल), फोन- 0141-4593243

Raj.Samwad/C/25/10962

कार्यालय बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर

Near Collector Office, Bikaner (Rajasthan) Fax :- 91-151-2226012, Phone :-91-151-2226012, 91-151-2226013

E-Mail Address:- uitbikaner@yahoo.co.in Web Site :- urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner

क्रमांक - बीविप्रा./बीका/अ.अभि/2025-26/6217 दिनांक :- 24/09/2025

ई - बिड सूचना संख्या 34-I-II-III/2025-26

बीकानेर विकास प्राधिकरण, बीकानेर की ओर से अखिल भारतीय स्तर, न्यास एवं राजकीय विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने प्राप्त करने व खोलने की दिनांक एवं निविदा शर्तों आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.urban.rajasthan.gov.in/uitbikaner पर देखा जा सकता है।

(UBN No. :- ITB2526WSOB00220 - 27)

राज.संवाद/सी/25/10902 — अधिशाषी अभियन्ता

कार्यालय नगरपालिका टोडाभीम जिला-करौली (राज.)

क्रमांक/नपाटो/2025-26/1262 दिनांक:-20.09.2025

निविदा सूचना

पालिका टोडाभीम में कार्य की निविदा NIB CODE- DLB2526A6260 यूबीएन नं. DLB2526WSOB19331, DLB2526WSOB19332, DLB2526WSOB19333, DLB2526WSOB19334, DLB2526WSOB19336, DLB2526WSOB19337, DLB2526WSOB19338, DLB2526WSOB19339, DLB2526WSOB19340, DLB2526WSOB19342 आमंत्रित की गई है। उक्त निविदा सूचना एवं शर्तें राजस्थान लोक उपागम पोर्टल की वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/10864 — अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका टोडाभीम

भतीजे से यौन-उत्पीड़न के आरोप में चाची गिरफ्तार

नाबालिग बात नहीं मान रहा था तो रेप केस किया, पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली

बीकानेर, (निसं)। यहां एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने चाची को नाबालिग भतीजे से यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आरोपी महिला ने जिले के नाल थाना में नाबालिग के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया। पुलिस जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नापासर थाना में नाबालिग के मां-बाप ने यौन-उत्पीड़न का केस दर्ज कराया। जांच के बाद आरोपी महिला को गिरफ्तार कर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

नापासर थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार ने बताया कि 24 वर्षीय शादीशुदा महिला नाबालिग का देह शोषण करती थी। कुछ समय बाद नाबालिग उसके पास जाने से इनकार करने लगा। इस बात से नाराज आरोपी ने उसे धमकाने-डराने के लिए रेप केस कर दिया। जांच में महिला की कहानी झूठी निकली। वहीं, 25 सितंबर को नाबालिग के परिवार ने नाल थाने महिला के खिलाफ केस दर्ज कराया। उन्होंने यौन उत्पीड़न के साथ नाबालिग के रुपए-मोबाइल छीनने का आरोप लगाया है। इसके बाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में महिला को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी महिला और नाबालिग रिश्ते में चाची-भतीजा है।

चोरी का ट्रेलर जब्त, दो जने गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी के सुपरविजन में अरविन्द कुमार वृत्ताधिकारी पीपलू व बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्र सिंह द्वारा गठित टीम ने थाना में दर्ज प्रकरण में आरोपियों से पूछताछ व निशानदेही के बाद चोरी किये गये एक ट्रेलर को कोटा जिले की बोर्डर पर गरोठ रोड दिल्ली मुम्बई हाईवे के नीचे से बरामद किया गया। इस दौरान गिरफ्तार किये गये दो आरोपी आशाराम पुत्र मिश्रीलाल गुर्जर व देवराज पुत्र श्रीराम गुर्जर दोनों निवासी जैबाडिया थाना बरोनी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स.0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट. www-udaipurmc.org

क्रमांक:- राजस्व/2025-26/829 दिनांक:- 22.09.2025

अल्पकालीन ई-निविदा आमन्त्रण सूचना संख्या ई-04/2025-26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला-2025 में दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक नगर निगम टाउन हॉल परिसर उदयपुर मे आयोजित किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन हेतु संलग्न आवेदन पत्र व कार्यक्रम विवरण अनुसार अल्पकालीन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रारम्भ तिथि 23.09.2025 एवं अंतिम तिथि 30.09.2025 तथा निविदा खुलने की तिथि 01.10.2025 रहेगी। निविदा से संबंधित अन्य समस्त विवरण इंटरनेट साईट www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखे जा सकते है।

UBN No. UNP2526SLOB00091

निविदा के कार्य	3 कार्य
निविदा की अनुमानित राशि	75.00 लाख रूपये
ऑनलाईन निविदा फार्म मिलने की दिनांक व समय	23.09.2025 प्रातः 10.00 बजे
ऑनलाईन निविदा फार्म जमा करने की अंतिम दिनांक	30.09.2025 सायं 06.55 बजे
ऑनलाईन निविदा खोलने की दिनांक	01.10.2025 दोपहर 12:00 बजे

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन का विवरण

नगर निगम उदयपुर द्वारा दीपावली मेला 2025 दिनांक 09.10.2025 से 23.10.2025 तक आयोजित किया जायेगा जिसमें निम्नलिखित दिवस पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे कार्यक्रम का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.स.	दिनांक	कार्यक्रम	अनुमानित राशि (लाखों में)
1	13.10.2025	स्वर और विरासत	45.00
2	14.10.2025	रंग, रोशनी व राग	15.00
3	15.10.2025	भक्ति वंदना	15.00

राज.संवाद/सी/25/10888 — आयुक्त, नगर निगम, उदयपुर

सार-समाचार

बंगाली समाज का महोत्सव आज से

जोधपुर, (कासं)। शहर में निवासरत बंगाली समाज की ओर से शहर के विभिन्न जगहों पर 27 सितंबर से दुर्गा पूजन महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। यह महोत्सव देवी बोधन के साथ आरंभ होगा और दो अक्टूबर को विजयादशमी के दिन संपन्न होगा। शहर के सबसे प्राचीन जोधपुर दुर्गाबाड़ी समिति की ओर से 83वां सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव 27 सितंबर से दो अक्टूबर तक नेहरू पार्क के पीछे प्रथम डी रोड सरदारपुरा में धूमधाम से मनाया जाएगा। समिति सचिव अमित रॉय ने बताया कि प्रथम दिन 27 सितंबर को शाम सात बजे देवी बोधन पूजन, 28 सितंबर को रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम, 29 सितंबर को सुबह सात बजे से पूजन प्रारंभ होगा। इसी तरह तीस सितम्बर महाअष्टमी को दोपहर में संधि पूजन, महानवमी और एक अक्टूबर को सुबह 8.30 बजे नवमी पूजन, 11 बजे कुमारी पूजन व एक बजे हवन, रात्रि आठ बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। विजयादशमी को सुबह नौ बजे से दशमी पूजन, दर्पण विसर्जन एवं जुलूस प्रस्थान व शाम को बिजोया सम्मेलन होगा। कमला नेहरू नगर क्षेत्र के ईएसआइअस्पताल रोड स्थित बंगाली कॉलोनी मैदान में पांडाल निर्माण किया गया है। यहां माता की विशाल प्रतिमा स्थापित कर पांच दिवसीय पूजन किया जाएगा। बाइजी तालाब क्षेत्र में बंगाली स्वर्ण आभूषण कारीगरों की ओर से दुर्गा पूजा महोत्सव मनाया जाएगा। वहीं कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर नौ में सिद्धेश्वर महादेव मंदिर परिसर में करीब 13 फीट ऊंची मां दुर्गा की अस्थायी प्रतिमा स्थापित की जाएगी। समाज के प्रवक्ता सुमन विश्वास ने बताया कि कोलकाता से आए मूर्ति कलाकारों ने इको-फ्रेंडली प्रतिमाएं तैयार की हैं, जिनमें मां दुर्गा के साथ गणेश, लक्ष्मी, कार्तिकेय और सरस्वती की प्रतिमाएं भी शामिल हैं। पंडाल की बनावट में बांस, पेलाई, थर्मोकॉल, लोहे की स्ट्रक्चर, और रंग-बिरंगे कपड़ों के साथ-साथ एलइडी लाइटिंग का भी प्रयोग किया गया है, जो इसे अत्यंत आकर्षक और भव्य रूप देगा।

विद्युत लेखाकर्मी संघ ने प्रदर्शन किया

जालोर, (कासं)। राजस्थान विद्युत लेखाकर्मी संघ जालोर ने शुक्रवार कोअपनी पांच सूत्री मांगो को लेकर जिलाध्यक्ष विनोद आर्य के नेतृत्व मे प्रदर्शन किया। अपनी मांगो को लेकर प्रबन्ध निदेशक जोधपुर डिस्काम के नाम से अधीक्षण अभियन्ता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि उनकी मांगो में लेखाधिकारी की सीधी भर्ती पर रोक लगाना और खण्ड स्तर पर सहायक लेखाधिकारी प्रथम का पद सृजित करना शामिल है। साथ ही नवसृजित जिलों में लेखा संवर्ग के नए पदों की तत्काल स्वीकृति जारी करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। 2018 के बाद नवसृजित उपखण्डों में लेखाकार के पद स्वीकृत नहीं किये गये है उनकी स्वीकृति प्रदान कराई जाए। राजस्व नियमावली 2004 के अनुसार उपखण्ड में पूर्व सृजित किये गये कनिष्ठ लेखाकार के पद भरवाए जाए। क्योंकि आज की परिस्थिति में प्रत्येक उपखण्ड में 30 से 35 हजार उपभोक्ता है जिनके लिए एक लेखाकर्मी कार्यरत है एवं पर्याप्त मंत्रालयिक कर्मचारियों की भी नियुक्ति की जावे। संगठन ने साफ चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो वे डिस्काम स्तर पर एक बडा आंदोलन शुरू करेंगे। इस मौके पर गोपाल लाल, धीरज दवे, उत्तम कुमार सहायक लेखा अधिकारी, विनोद कुमार जिला अध्यक्ष, विजय सैनी, इमरान अली, जितेंद्र कुमार ,महेंद्र बेरवा, नारायण माधव, दिलीप कुमार सहित राजस्थान विद्युत लेखाकर्मी संघ के लेखा साथी उपस्थित रहे।

रानी नगर पालिका में शिविर लगा

पाली,(नि.सं.)। जिले के रानी में नगर पालिका परिसर, रानी में चल रहे शहरी सेवा शिविर में आज भी बड़ी संख्या में आमजन ने भाग लेकर विभिन्न सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में पट्टा वितरण, कृषि भूमि परिवर्तन, भवन निर्माण फाइल का निस्तारण किया गया। इसके साथ ही पेंशन स्वीकृति, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सफाई एवं स्वच्छता व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट मरम्मत, नालियों की सफाई, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कार्य भी संपन्न किए गए।शिविर का संचालन नगर पालिका अधिशाषी भरत राठौड और उपाध्यक्ष डालचंद मेवाड़ा नेता प्रतिपक्ष मोहमद इलियास के मार्गदर्शन में किया गया। नगर पालिका पार्षद रेखा माली, महेश कुमार, मनीष मेहता, मुकेश बैरवा, मीठालाल बंजारा जोधाराम कुमावत मोहम्मद अकरम, कर्मचारी गोपाल सिंह, धनाराम चौधरी, बाबूलाल कुमावत, जितेंद्र कुमार, रतनलाल, सुनील खीचड़, कांतिलाल, निजामुद्दीन, फिरोज खान, मनीष कुमार, मोनूकांत, मुकेश दत्ता, जगन्नाथ तथा विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

पंचगव्य चिकित्सा शिविर आयोजित

गुड़ामालानी,(नि.सं.)। बावडी शिव मंदिर परिसर में गौशाला महातीर्थ पथमेडा के वैदिक गो उत्पादन फाउंडेशन की ओर से संचालित सुरभि आरोग्य कुलम के तत्वावधान में निशुल्क पंचगव्य आयुर्वैदिक चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन पथमेडा के नंददास महाराज, बलदेव महाराज एवं केवलाराम राजपुरोहित के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राणा कुलदीप सिंह राठौड, उपखंड अधिकारी केशव कुमार मीणा, तहसीलदार ईश्वर लाल सोलंकी, व्यापार मंडल अध्यक्ष पुरुषोत्तम जैन, , रमेश लाल जोशी के आतिथ्य में हुआ। डॉ.मानवेन्द्र शेखावत ने बताया कि सुरभि आरोग्य कुलम के निशुल्क पंचगव्य आयुर्वैदिक चिकित्सा परामर्श शिविर में कमर दर्द, शुगर ,कैंसर, लकवा,बवासीर सहित स्त्री रोग कमजोर जैसी बिमारियों को लेकर शिविर में आये महिलाओं एवं पुरुषों की बीपी जांच एवं नाडी जांच कर निशुल्क आयुर्वैदिक दवाई उपलब्ध करवाई गई। दो सौ से ज्यादा लोगों ने लाभ लिया। डॉ प्रफुल्ल त्रिवेदी, डॉ मधु,मेल नर्स मुकेश कुमार एवं भावेश देवासी ने सेवाएं दी। कार्यक्रम में अशोक सिंह राजावत,राणमल ओस्तवाल,बाबुलाल राजपुरोहित, जबरसिंह राजपुरोहित, युवा नेता भरत जैन, मिश्रीमल राजपुरोहित, मदनलाल मालू, एएसआई जयकिशन विश्नोई, कांतिलाल सोनी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

गूंज रही है डांडियों की खनक

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर नवरात्रि के चलते सांझ होते ही डांडियो की खनक से गूंज उठता हैं। गली गली मे युवा हिन्दी व गुजराति फिल्मों की धुनों पर गरबा रास करते नजर आ रहे हैं। नवयुवक मंडल की ओर से जोधपुर रोड स्थित एक निजि होटल के उधान मे तीन दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन समिति के रोहित भाटी ने बताया कि सांझ ढलते ही युवक युवतिया हिन्दी व गुजराति फिल्मो की धुनो एवं डी.जे पर नृत्य कर मॉ अम्बे की अराधना कर रहे हैं। डांडिया रास मे दमन से आए एस. कुमार व सूरत के जेनिस दवे मनमोहक अंदाज मे गुजराति गाने गाकर सभी का मन मोह रहे है। वही एंकर आरती राजपुरोहित भी अपने अनूठे अंदाज मे जलवा बिखेर रही है। आयोजन मे राजवीर सिंह राठौड, दीपेन्द्र सिंह, गोविन्द वैष्णव, वैभव बैरवा, उमेश चौधरी, मनीष वैष्णव, कुलदीप चौहान, ऋषभ चौहान, नरेन्द्र प्रजापत आदि जुटे हुए है।

पाली में कई जगह गरबा का आयोजन

पाली, (नि.सं.)। पुराना बस स्टैंड के निकट चारनियों के बास में राजराजेश्वरी ग्रुप द्वारा हर वर्ष की भाती गरबा नृत्य का आयोजन हो रहा है। यहां पर करीब सवा सौ साल पहले गुजरात से आए परिवार निवास करते हैं। रिमझिम रोशनी और गुजराती धुन पर यहां ताली बजाकर नृत्य करते हैं। रोजाना विभिन्न रंग बिरंगी ड्रेस पहनकर युवक और महिलाएं मां अंबे की आरती के पश्चात गरबा नृत्य में भाग लेती हैं। पिछले कई वर्षों से यहां पर गरबा नृत्य चल रहा है, जिसमें शेखर गो गिया, धीरज चारण यशवंत नीरज, कार्तिक प्रवीण गौतम कुंदन अरुण मुकुल प्रताप चंदन का सहयोग रहता है। इसी प्रकार से श्रीमाली ब्राह्मण समाज, स्वर्णकार समाज, पाली वालों का बास, भैंरू घाट गरबा मंडल पर गरबा चल रहे हैं।

सीवरेज कार्य का शिलान्यास आज

जालोर, (कासं)। विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग 27 सितम्बर को प्रात: 11.30 बजे जालोर क्लब में बजट घोषणा 2024-25 के अनुसरण में जालोर शहर में 25 करोड की लागत से होने वाले सीवरेज कार्य का शिलान्यास करेंगे। नगर परिषद के आयुक्त दिलीप माथुर ने बताया कि शिलान्यास के उपरांत 25 करोड की लागत से जालोर शहर में सीवरेज के कार्य से शहरवासियों को गंदे पानी की समस्या से निजात मिलेगी तथा सुंदेलाव तालाब में सीवरेज के बहाव की समस्या का समाधान हो सकेगा।

सायला में 5 अक्टूबर को पथ संचलन

सायला, (निसं)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष को लेकर सायला मंडल 5 अक्टूबर को पथ संचलन करेगा। आयोजन की तैयारियों को गति देने के लिए शुक्रवार को पुराना बस स्टैंड स्थित गणपति मंदिर में भगवान गणेशजी को पीले चावल अर्पित कर कार्यक्रम का न्योता दिया गया। संपर्क अभियान की शुरुआत की गई तथा पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

बचत उत्सव, मंत्री जोराराम कुमावत ने पदयात्रा निकाली

पाली, (नि.सं.)। पशुपालन विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जीएसटी की दरें कम करने के साथ ही जीएसटी की सिर्फ दो स्लैब रखते हुए आमजन को राहत दी है। केन्द्र सरकार द्वारा कम की गई जीएसटी दरों का लाभ आम उपभोक्ता तक पहुंचे यह हम सभी की जिम्मेदारी है। कुमावत ने शुक्रवार को सुमेरपुर के व्यापारिक संगठनों के साथ भैरू चौक से मेहता प्याऊ तक पदयात्रा निकालकर आमजन को जीएसटी दरों में कमी के बाद वस्तुओं के दामों में आई कमी के बारे में जागरूक किया। इसके बाद उन्होंने व्यापारिक संगठनों की सभा को संबोधित करते हुए जीएसटी दरों में कमी का लाभ आम उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आहवान किया।

पशुपालन विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने सुमेरपुर के व्यापारिक संगठनों के साथ भैरू चौक से मेहता प्याऊ तक पदयात्रा निकाली। फोटो-राष्ट्रदूत

उन्होंने व्यापारी वर्ग का आहवान किया कि जीएसटी दरों में कमी का लाभ आज से ही आम उपभोक्ता तक पहुंचाएं। रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं के दाम कम होने से उन्हें बचत होगी और वे अपने बच्चों के भविष्य और बेहतर शिक्षा पर ज्यादा खर्च कर पाएंगे, ज्यादा निवेश कर पाएंगे।

जीएसटी बचत उत्सव के तहत आयोजित इस सभा में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी दरों में कमी कर आमजन को आर्थिक बचत का तोहफा दिया है। इस ऐतिहासिक निर्णय का लाभ व्यापारी वर्ग को वस्तुएं सस्ती कर आमजन पहुंचाना होगा और व्यापारी वर्ग की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि आज से ही नई दरों का लाभ अंतिम उपभोक्ता तक पहुंचाएं।

उन्होंने सभी को संकल्प दिलाया कि स्वदेशी को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री के संदेश को अपनाते हुए सभी राष्ट्र को प्रथम मानकर स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करें। उन्होंने व्यापारी वर्ग का आ ान किया कि जीएसटी की दरों में की गई कमी का लाभ आम उपभोक्ताओं तक आज से ही पहुंचना शुरू करें।

इस दौरान व्यापारिक संगठनों के द्वारा व्यापार जगत में आ रही समस्याओं और उनसे राहत प्रदान करने का आग्राह किया गया। उन्होंने आश्वस्त किया कि हम सभी प्रधानमंत्री के द्वारा किये गये जीएसटी सरलीकरण का लाभ आमजन तक पहुंचाएंगे। इस मौके पर मंत्री कुमावत का जगह-जगह फूलमालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। साथ ही उन्होंने दुकानों पर जीएसटी की दरें घटाने संबंधी जागरूकता पोस्टर भी चस्पा किए।

इस मौके पर प्रसन्न मेहता, पूनमसिंह परमार, अनोपसिंह राठौड़, रमेश बोहरा,भूपेंद्र गोयल, व्यापार संघ अध्यक्ष पुखराज कुमावत, वाणिज्यिक कर विभाग, वृत सुमेरपुर के एसीटीओ महिपाल सिंह, डीवाईएसपी जितेंद्र सिंह मंचासीन थे। पदयात्रा में शिवराज सिंह बिठिया, मांगीलाल सुथार, ललित राकावत चेयरमैन तख़्तगढ़, दिनेश कुमावत तख़्तगढ़, हडमंतसिंह बांकली, पारस सोलंकी तख्तगढ, रविकांत रावल , स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

कांग्रेसजनों ने रोष जताया

रेवदर, (निसं)। राजस्थान विधानसभा के रेस्ट रूम में सीसीटीवी कैमरे लगाने के विरोध में प्रदेश कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के आव्हान पर जिला कांग्रेस अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के बैनरत ले रेवदर विधानसभा मुख्यालय पर विधायक मोतीराम कोली के नेतृत्व, अभाव अभियोग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष पूनमचन्द पुरोहित की अध्यक्षता एवं कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णवीरसिंह रोहुआ की उपस्थिति में विधानसभा अध्यक्ष का पूतला फूंका।

विरोध प्रदर्शन से पहले विधायक मोतीराम कोली ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए बताया कि विधानसभा के रेस्ट रूम में कैमरे लगाते हुए कैमरों का नियंत्रण सार्वजनिक नहीं करना विधायकों की निजता पर संकट है। विधानसभा के सदस्यों को इसकी जानकारी नहीं देते हुए ये कार्य करवाना सरकार की मंशा पर सवालिया निशान लगाता है।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कृष्णवीरसिंह रोहुआ ने देश के हालातों की जानकारी देते हुए कहा कि वोर चोरी को जिस प्रकार कांग्रेस ने उजागर किया है, देश के संविधान के उद्देश्य से विपरित होने वाली प्रत्येक परिस्थिति पर कांग्रेस देश की जनता के हित में सडकों पर रहेगी। आजादी से पहले व आजादी के बाद भी कांग्रेस ने त्याग और बलिदान की भावना से देश को आगे बढाने का कार्य किया है।

अभाव अभियोग प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष पूनमचन्द पुरोहित ने बताया कि अभाव अभियोग प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष योगिता शर्मा के आव्हान पर पूरे प्रदेश के जिला मुख्यालयों पर विधानसभा अध्यक्ष का पूतला फूंका गया है, उसी के तहत आज रेवदर मुख्यालय पर आयोजन किया गया।

इस अवसर पर ओमप्रकाश पालीवाल, कांग्रेस जिला प्रवक्ता हर्षुल अग्रवाल, भवानीसिंह भटाणा, ब्लॉक उपाध्यक्ष बलवन्तसिंह देवडा, हिमपालसिंह देवल, लाखाराम चौधरी, डूंगरसिंह देवडा, पंचायत समिति सदस्य तखतसिंह भैरूगढ, दांतराई मण्डल अध्यक्ष सूरताराम देवासी, जिला सचिव मजहर हुसैन, खंगारराम मेघवाल, हुकमसिंह वडवज, कन्हैयालाल कोली, भीखसिंह राव, रवि पुरोहित, देवाराम पुरोहित, विनोदसिंह, मालमसिंह, नारायण प्रजापत, जैसाराम मेघवाल, पिन्टू मेघवाल, असरफ जैदी, सरफराज बलोच, सनी अग्रवाल, अरविन्द जोशी, चन्दन कुमार, भूरे खान, नगाराम, तेजाराम मेघवाल, जगाराम मेघवाल समेत दर्जनों कांग्रेसजन उपस्थित थे।

महिला कृषकों को मिनी बीज किट बांटे

जालोर, (कासं)। राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी ने शुक्रवार को जालोर तहसील की रेवत ग्राम पंचायत में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाएँ देखी।

राजस्थान किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी ने विभागवार लगाई गई हेल्प डेस्क पर पहुँच अधिकारियों से किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी ली तथा ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं के निस्तारण को लेकर फीडबैक लिया।उन्होंने अधिकारियों-कार्मिकों को निर्देश दिए कि केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन को पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि सेवा शिविरों का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के लोगों को घर के पास ही विभिन्न योजनाओं का लाभ देना है, इसलिए सभी कार्मिक अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण सेवा शिविरों के माध्यम से आमजन की समस्याओं के समाधान का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने उपस्थित आमजन से केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की बात कही। उन्होंने महिला कृषकों को मिनी बीज किट प्रदान किए।

इस अवसर पर जालोर उपखण्ड अधिकारी मनोज चौधरी, जालोर विकास अधिकारी प्रदीप मायला, तहसीलदार संजय बोहरा, डिंपल सिंह, स्वरूप सिंह, महेंद्र सिंह, सकाराम, गेमर सिंह, हरिसिंह, भरत मेघवाल, खेत सिंह कलापुरा अन्य ग्रामीण सहित विभागीय अधिकारी-कार्मिक व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

वही शुक्रवार को जालोर तहसील की मडगांव व रेवत, आहोर तहसील की दयालपुरा व डोडियाली, भाद्राजून तहसील की शंखवाली व चूण्डा, सायला तहसील की ओटवाला व आसाणा, बागोड़ा तहसील की बिजलिया व बागोड़ा, भीनमाल तहसील की लूणावास व जुंजाणी, जसवंतपुरा तहसील की बासडाधनजी व सेरणा, रानीवाड़ा तहसील की दांतवाड़ा व करवाड़ा, सांचौर तहसील की दांतिया व चौरा एवं चितलवाना तहसील की खिरोड़ी व परावा ग्राम पंचायत में प्रात: 9.30 बजे से सायं 6 बजे तक ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन कर ग्रामीणों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया गया।

वही जिले में 27 सितम्बर को जालोर तहसील की नारणावास व दीगांव, आहोर तहसील की गुडा बालोतान व हरजी, भाद्राजून तहसील की सुगालिया जोधा व बावड़ी, सायला तहसील की पोषाणा व सुराणा, बागोड़ा तहसील की धुम्बड़िया व नरसाणा, भीनमाल तहसील की पूनासा व निम्बावास, जसवंतपुरा तहसील की पूरण व थूर, रानीवाड़ा तहसील की रामपुरा व सूरजवाड़ा, सांचौर तहसील की अचलपुर व दूगावा एवं चितलवाना तहसील की सुराचंद व सूंथड़ी ग्राम पंचायत में प्रात: 9.30 बजे से सायं 6 बजे तक ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा।

इष्ट, गुरु व माता-पिता में दोष नहीं देखें : आलसी बाबा

अनुबंध वृद्धजन कुटीर में आयोजित बाबा रामदेव कथा को लेकर बुजुर्ग उत्साहित नजर आए।

जोधपुर, (कासं)। साधक को अपने इष्ट, गुरु ओर माता पिता में दोष नहीं देखना चाहिए। जो लोग ऐसा करते हैं वे घोर पाप के भागीदार है। ऐसे पापियों से भगवान भी नाखुश रहते हैं। उनके दान पुण्य को भी ईश्वर स्वीकार नहीं करते।

यह बात अनुबंध वृद्धजन कुटीर में नवरात्रा पर आयोजित तीन दिवसीय श्री बाबा रामदेव कथा के दूसरे दिन कथा वाचक मिश्रीलाल पंवार "आलसी बाबा" ने कही। बाबा रामदेव के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों की की चर्चा करते उन्होंने कहा कि बाबा रामदेवजी का पूरा जीवन लोगों को सतमार्ग दिखाने में ही समर्पित रहा। अपने जीवन काल में उन्होंने जितने भी पर्चे दिए, उनके पीछे शिक्षा का सन्देश था। जातीय झगड़ों में बंटे हिन्दु समाज को उन्होंने एकता का पाठ पढ़ाया। ऊंच नीच के भेद को मिटाने के लिए खुद ने पहले की।

उन्होंने कहा कि मारवाड़ की मिटी का एक एक कण बाबा रामदेव का ऋणी है। धोरा की इस धरती पर अवतरित होकर उन्होंने इसे देव भूमि के रूप में स्थापित किया। इससे पूर्व श्याम गुप्ता शान्त, श्रीमती अनुराधा अडवानी, नरेन्द्र तथा अनुबंध वृद्धजन कुटीर के वृद्धजनों ने मंगलाचरण आरती में भाग लिया। अनुबंध वृद्धजन कुटीर की संचालिका श्रीमती अनुराधा अडवानी ने बताया कि कुटीर के वृद्ध जन कथा का श्रवण कर भाव विभोर हो उठे।तीन दिवसीय कथा की पूर्ण आरती 27 सितम्बर को होगी। इसी दिन विश्व प्रसिद्ध जादूगर गोपाल अनुबंध कुटीर के वृद्ध मनिषियों को अपने जादुई कार्यक्रमों का करिश्मा दिखाएंगे। आज गणतंत्र डाबी ने संचालन किया। आज कथा का श्रवण करने क्षेत्र के निवासी भी पहुंचे।

प्रधानाचार्य ने होनहारों को हवाई यात्रा करवाई

जालोर, (कासं)। निकटवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोदरान के प्रधानाचार्य जितेन्द्र सिंह ने शिक्षा क्षेत्र में एक मिसाल कायम करते हुए विद्यालय के उन विद्यार्थियों को विशेष सम्मान दिया, जिन्होंने बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए। अपनी व्यक्तिगत पहल और खर्च से उन्होंने विद्यार्थियों को न केवल हवाई यात्रा का अवसर उपलब्ध करवाया, बल्कि अहमदाबाद व मुंबई महानगरों में शैक्षिक भ्रमण भी कराया।

इस यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने अहमदाबाद साइंस सिटी का अवलोकन किया तथा मुंबई पहुँचकर गेट वे ऑफ इण्डिया,प्रिंस ऑफ वेल्स म्यूजियम, नेहरु सांईस सेंटर, मुम्बई हाई कोर्ट, सचिवालय, विधानसभा भवन सहित कई ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक स्थलों का अध्ययन किया। प्रधानाचार्य श्री जितेन्द्र सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को केवल पुस्तक तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें दुनिया को समझने और अनुभव करने का भी अवसर मिलना चाहिए। मेरी यह पहल विद्यार्थियों को आगे बढने की प्रेरणा देगी और शिक्षा के प्रति उनका उत्साह दोगुना करेगी। स्थानीय जनों और अभिभावकों ने भी प्रधानाचार्य सिंह की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए नई राह खोलेगा।

प्रधानाचार्य जितेन्द्र सिंह का अभिनव प्रयास, मेधावी विद्यार्थियों को हवाई यात्रा मिली है। प्रधानाचार्य सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को पुस्तकों से परे वास्तविक जीवन के अनुभव भी मिलने चाहिए।

शहरी सेवा शिविरों में कई लोगों की समस्याओं का हुआ निस्तारण

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार नगरीय क्षेत्रों में रहने वाले नागरिकों को बेहतरीन सेवाएं उपलब्ध करवाने व उनके संबंधित प्रकरणों को मौके पर ही निस्तारित कर उन्हें राहत प्रदान करने के लिए जिले के शहरी निकायों में 17 अक्टूबर, 2025 तक शहरी सेवा शिविर-2025 का आयोजन किया जा रहा है।

नगर परिषद जालोर के आयुक्त दिलीप माथुर ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार शुक्रवार को नगर परिषद जालोर के वार्ड संख्या 12 से 15 तक के लिए नगर परिषद सभागार जालोर में शहरी सेवा शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें आबादी भूमि नियमन, कृषि भूमि नियमन, भवन निर्माण स्वीकृतियाँ, नामान्तरण, उप विभाजन प्रमाण पत्र, जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन इत्यादि से संबंधित आवेदन पत्र किए गए। शिविर में आमजन की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान किया गया। शिविर में स्वच्छता ही सेवा-2025 अभियान के तहत नगर परिषद सभागार में आयोजित कैंप में नगर परिषद आयुक्त दिलीप माथुर ने नमस्ते योजना से प्राप्त पीपीई किट का वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने स्वच्छता अभियान से जुड़ी जागरूकता पर बल देते हुए कहा कि पीपीई किट स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है और इनके माध्यम से कार्य कुशलता तथा स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों को सुनिश्चित किया जा सकेगा। नगर परिषद द्वारा यह पहल स्वच्छ जालोर निर्माण की दिशा में एक सार्थक प्रयास है। इस दौरान राजस्व निरीक्षक श्रवणराम जाट, एसआई महावीर, एसबीएम इंचार्ज अविनाश सिंह व सहायक अभियंता नरेंद्र बैरवा उपस्थित रहे।

जालोर नगर परिषद् में आयुक्त दिलीप माथुर ने सफाई कर्मियों को पी.पी.ई. किट बांटे। फोटो-राष्ट्रदूत

स्वच्छता ही सेवा अभियान, 2025 के अंतर्गत जिला मुख्यालय पर स्थित नगर परिषद सभागार में हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें चिकित्सकों की टीम द्वारा स्वच्छता मित्रों का हैल्थ चेकअप करते हुए उन्हें स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया गया। इसी प्रकार नगर परिषद जालोर की टीम ने लोगों को जागरूक करते हुए आरआरआर (रिड्यूज, रियूज, रिसाइकल) सेंटर की महत्ता व स्वच्छता का संदेश देते हुए स्वच्छता अपनाकर स्वस्थ और सुंदर समाज के निर्माण की बात कही। नगर परिषद जालोर के वार्ड संख्या 16 से 19 तक के लिए 27 व 29 सितम्बर को नगर परिषद सभागार जालोर में शहरी सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा जिसमें नागरिकों के विभिन्न कार्य करने के साथ ही उनकी समस्याओं का समाधान किया जायेगा।

प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का दो दिवसीय सम्मेलन शुरू

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षक संघ के दो दिवसीय शिक्षक सम्मेलन का शुभारंभ पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख के मुख्य आतिथ्य एवं पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा की अध्यक्षता में हुआ।

इस अवसर पर पारख ने कहा कि शिक्षक राष्ट्रिनर्माता है तथा शिक्षक के कंधो पर राष्ट्र के निर्माण का दायित्व होता है। देश ने हमें बहुत कुछ दिया है। इसके बदले में देश के प्रति हमारा भी कत्तर्व्य बनता है कि हम नैतिक रूप से विद्यार्थियों को मजबूत बनाएं ताकि भ्रष्टाचार खत्म हो। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महेन्द्र बोहरा ने कहा कि शिक्षको द्वारा विद्यार्थियों में देशभक्ति की कहानियों के माध्यम से बच्चों में देशभक्ति की भावना जागृत की जानी चाहिए। साथ ही लोगों को मिलेट्स एवं स्वदेशी वस्तुओं को खरीदने के लिए प्रेरित करें। पूर्व सीबीईओ विजेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य हरीश व्यास, पूर्व जिला महिला अध्यक्ष जयन्ता व्यास ने शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया। शिक्षकों ने प्रतियोगी परीक्षाओं में डबल ड्यूटी, चुनावी बीएलओ कार्य आदि से मुक्त रखने की मांग की। इस पर पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख ने शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं को राज्य सरकार तक पहुँचाकर समाधान का आश्वासन दिया।

सम्मेलन में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राहुल कुमार राजपुरोहित ने शिक्षकों से विभागीय कार्य समय पर करने तथा विद्यार्थी हित में काम करने का आ ान किया। सीबीईओ दिलीप कर्मचंदानी ने शिक्षकों को विद्यार्थियों को केन्द्र में रखकर कार्य करने का आहवान किया।

संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम सोनी ने संघ का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए समस्त अतिथियों तथा संभागी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया।

सम्मेलन में संगठन की पूर्व महिला अध्यक्ष नीलिमा अचलावत, जयंता व्यास सहित संघ से जुड़े सेवानिवृत्त प्रधानाचार्यों, व्यख्याताओं, अध्यापकों, वरिष्ठ अध्यापकों, प्रयोगशाला सहायकों, का दुपट्टा ओढ़ाकर एवं अभिनन्दन-पत्र देकर बहुमान किया। सम्मेलन में नव पदोन्नत प्रधानाचार्यों का भी बहुमान किया गया। सम्मेलन को जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा, जिला मंत्री रतन बारूपाल,पूर्व कोषाध्यक्ष दलपतराज राकावत, पूर्व सभाध्यक्ष नीमाराम देवासी,जिला उपाध्यक्ष मादाराम पंवार, जबर सिंह राठौड़, चंदन सिंह, पंकज शर्मा, सभाध्यक्ष नरेश बोहरा, कोषाध्यक्ष हेमंत दवे, प्रदेश महिला संयुक्त मंत्री विमलेश भदौरिया, जिला महिला अध्यक्ष कृष्णा शर्मा, पाली ब्लाक अध्यक्ष यजुर्वेद खेमलानी, ब्लाक मंत्री जयपाल सिह, नरेन्द्रसिंह आदि ने भी संबोधित किया। मंच संचालन प्रधानाचार्य हितेश रामावत, व्याख्याता राजेन्द्र जैन ने किया। बांगड़ स्कूल के प्रधानाचार्य बसंत परिहार, सत्यनारायण पुनाड़िया, प्रताप सिंह जोधा जिला मंत्री भाजपा, मानवेन्द्र सिंह भाटी अध्यक्ष महाराणा प्रताप मंडल, मुकेश गोस्वामी पूर्व पार्षद, दीपक जैन समाजसेवी भी उपस्थित थे।

सुमित गोदारा ने बैठक ली

पाली संवाददाता के अनुसार : खाद्य सुरक्षा एवं नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री सुमित गोदारा ने शुक्रवार को कलक्टर कार्यालय के सभागार में रसद विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि गिव अभियान का उदेश्य पात्र व्यक्तियों को ही इसका लाभ दिलाना है व सक्षम लोगों को स्वेच्छा से इसका त्याग करना चाहिये ताकि पात्रमंद को लाभ मिले।

‘महज 64 दिन की न्यायिक कार्रवाई एक शर्मनाक स्थिति’

■ राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पीएस भाटी और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता ने राज्य सिविल अपीलेट अधिकरण की स्थाई पीठ के नाम पर पिछले एक साल में महज 64 दिन की न्यायिक कार्रवाई को एक शर्मनाक स्थिति बताया

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डॉ. पीएस भाटी और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता ने जोधपुर में राजस्थान राज्य सिविल अपीलेट अधिकरण की स्थाई पीठ के नाम पर पिछले एक साल में महज 64 दिन की न्यायिक कार्रवाई को एक शर्मनाक स्थिति बताया। उन्होंने महाधिवक्ता को इस बाबत राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष से दिशा निर्देश लेकर आगामी पेशी 28 अक्तूबर तक न्यायालय को अवगत कराने को कहा । उन्होंने कहा कि अधिकरण की स्थाई पीठ के नियमित क्रियान्वयन की संतुष्टि के बाद ही याचिका पर अंतिम बहस की सुनवाई की जाएगी।

राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पुरोहित और अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि 19 जुलाई 2022 को खंडपीठ ने जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ अधिसूचित करने के राज्य सरकार को निर्देश दिए और इसकी पालना में सरकार ने जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ की 4 मई 2023 को अधिसूचना जारी कर दी और जोधपुर पीठ के क्षेत्राधिकार में जोधपुर,उदयपुर, बीकानेर, पाली और बांसवाड़ा संभाग के सभी जिलों को शामिल करते हुए लंबित पत्रावलियों और नई अपीलों की सुनवाई जोधपुर में ही करने का आदेश जारी किया और इसी क्रम में गैर न्यायिक सदस्य तथा स्टाफ की नियुक्ति कर दी गई लेकिन वास्तविक रूप से अधिकरण की स्थाई पीठ जोधपुर में क्रियान्वत नहीं हो पाई।

अधिवक्ता पुरोहित और अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि गत 29 जनवरी को भी खंडपीठ ने साफ किया कि अंतिम बहस के पहले जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ का वास्तविक रूप से क्रियान्वन करना होगा।

हाईकोर्ट के 4 सितंबर के आदेश की पालना में राज्य सरकार के महाधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि गत वर्ष सितम्बर से दिसंबर तक 25 दिन और इस साल जनवरी से अगस्त तक 39 दिन की न्यायिक कार्रवाई जोधपुर पीठ में हुई। उन्होंने कहा कि जनहित याचिका चलने योग्य नहीं होने से इस पर अंतिम बहस ही सुनी जाएं।

राजस्थान हाइकोर्ट की खंडपीठ के वरिष्ठ न्यायाधीश डा पी एस भाटी और न्यायाधीश बिपिन गुप्ता ने कहा कि राजस्थान राज्य सिविल अपीलेट अधिकरण की स्थाई पीठ, जोधपुर के गठन की अधिसूचना जारी होने के बाद स्टाफ की नियुक्ति और संसाधन पूर्ण होने के बावजूद पिछले एक साल में महज 64 दिन की अल्पावधि की न्यायिक कार्रवाई होना बहुत ही शर्मनाक स्थिति है।

उन्होंने जनहित याचिका की अंतिम बहस प्रारंभ करने से पहले महाधिवक्ता को आदेश दिया कि जोधपुर में अधिकरण की स्थाई पीठ के वास्तविक क्रियान्वन बाबत राज्य सरकार और अधिकरण अध्यक्ष से दिशा निर्देश लेकर आगामी पेशी 28 अक्तूबर तक न्यायालय को अवगत कराएं।

उन्होंने कहा कि अधिकरण की जोधपुर में स्थाई पीठ के नियमित क्रियान्वयन की संतुष्टि के बाद ही याचिका पर अंतिम बहस की सुनवाई की जाएगी।

ओरण बचाने के लिए जारी रहेगा धरना : प्रतापपुरी

जैसलमेर, (नि.सं.)। अपनी भाजपा सरकार से ओरण को दर्ज करवाने के लिए जनाक्रोश रैली के बाद सभा में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महराज ने कहा कि ओरण दर्ज होने तक धरना जारी रहेगा।

शिव विधायक रविंद्रसिंह भाटी ने कहा कि राजनीति होती रहेगी, 100 बीघा जमीन है, कमा के खा-लूंगा। इससे पूर्व ओरण-गोचर बचाने को लेकर गड़ीसर से कलेक्ट्रेट तक विशाल जन आक्रोश रैली निकाली गई। धरना स्थल पर पहुंचने के बाद जनसभा के रूप में तब्दील हो गई। मचं पर गुरु गोरखनाथ सहित कई साधु-संत, पूर्व विधायक सांगसिंह भाटी, पूर्व महारावल चैतन्यराजसिंह, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी, शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी, सुमेरसिंह भाटी सहित भाजपा के कई लोग मौजूद रहे। सभा के बाद प्रतिनिधिमंडल पूर्व महारावल चैतन्यराज सिंह, पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी, गुरू गोरखनाथ, जिला प्रमुख प्रतापसिंह ने कलेक्टर प्रतापसिंह से मुलाकात की।

किराणे की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग, सामान राख

सायला, (निसं)। सायला उपखंड मुख्यालय के नया बस स्टेंड पर गुरुवार रात्रि को एक किराणे की दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमे दुकान में रखा लाखों का सामान व नकदी जल गई।

जानकारी के अनुसार नया बस स्टेंड पर केशरसिंह पुत्र टीकमसिंह राठौड निवासी वालेरा की किराणे की दुकान है। जिसे रोजाना की तरह बन्द करके घर जाने की तैयारी में था। जो पास ही स्थित मेडिकल की दुकान से दवाई ले रहा था। उस दरम्यान दुकान से धुआं उठता दिखाई देने पर खोलकर देखा तो आगे की लपटे उठने लगी। जिसके बाद आसपास के नागरिकों व राहगीरों ने पास ही स्थित होटल से बाल्टियों से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन दुकान में रखे खाद्य तेल व घी आदि के कारण आग विकराल होने लगी।

वहीं कुछ ही देर में पानी के टैंकर मौके पर पहुंच गए। जिनकी सहायता से बडी मुश्किल से आग पर काबू पाया जा सका। लेकिन आगजनी की घटना में दुकान में रखा लाखों का सामान व नकदी जल गई।

घटना की सूचना मिलते ही उपखंड अधिकारी सूरजभान विश्नोई, तहसीलदार व ईओ लक्ष्मी चौधरी, एएसआई राजाराम विश्नोई मय जाब्ता मौके पर पहुंचे। वही आगजनी की घटना से मौके पर बडी संख्या में ग्रामीणों की भीड जमा हो गई। सायला में गुरुवार रात्रि को किराणे की दुकान में आगजनी की घटना के बाद प्रशासन द्वारा फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई, लेकिन 40 किलोमीटर की दूरी तय कर सायला पहुंचने के पहले ही आग विकराल होने से दुकान का सामान जल गया था। साथ ही स्थानीय ग्रामीणों ने टैंकरों से आग पर काबू पा लिया था।जिस पर ग्रामीणों ने काफी आ ोश जताते हुए शीघ्र ही उपखंड मुख्यालय पर फायर बिग्रेड की व्यवस्था की मांग की है। अगर सायला में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था होती तो काफी हद तक नुकसान कम होता।

सायला उपखंड मुख्यालय पर आगजनी की घटना के समय काबू पाने के लिए लंबे समय से तत्कालीन सांसद व विधायक ने फायर ब्रिगेड की घोषणा कर वाहवाही तो खूब बटोरी लेकिन अभी तक धरातल पर घोषणा मूर्त रूप नहीं ले पाई है। जिसका खामियाजा आगजनी की घटना के समय ग्रामीणों को भुगतान पड रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की उदासीनता से डेढ दशक से उपखंड मुख्यालय फायर ब्रिगेड की व्यवस्था से मोहताज है।

फायर ब्रिगेड समेत मांगें बताई

सायला, (निसं)। राष्ट्रीय व्यापार संगठन कैट एवं व्यापार संघ सायला के तत्वावधान में शुक्रवार को उपखंड मुख्यालय पर फायर ब्रिगेड की मांग समेत विभिन्न मांगों को लेकर व्यापारियों द्वारा उपखंड अधिकारी सूरजभान बिश्नोई को ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में बताया कि नगर के नया बस स्टेण्ड पर गुरुवार रात्रि को एक किराणा की दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। इस दौरान फायर ब्रिगेड की कमी के कारण आग पर समय रहते काबू नही पाया जा सका और दुकान में रखा लाखो का किराणा का सामान जल गया। जबकि सायला नगरपालिका क्षेत्र है। इसके बावजूद आगजनी की घटनाओं की रोकथाम के लिए फायर ब्रिगेड की व्यवस्था नही है। जिस पर व्यापारियों ने सायला में स्थाई तौर पर एक फायर ब्रिगेड उपलब्ध करवाने की मांग की है। स्थाई फायर ब्रिगेड के अभाव में अस्थाई व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही बताया कि दुकान में आगजनी जैसी घटनाएं होने पर व्यापारियों को किसी भी प्रकार का मुआवजा नही मिलता है। ऐसे में किसानों को फसल खराबे पर मिलने वाले मुआवजे की तर्ज पर व्यापारियों को भी आगजनी के लिए मुआवजा दिलवाने की मांग की। इसी प्रकार आगामी दीपावली के त्यौहार को देखते हुए नगर के गली मौहल्लों एवं मुख्य सडक पर रोड लाइटें शुरू करवाने, नगर में बदहाल साफ सफाई व्यवस्था के लिए उचित प्रबंध करने तथा दुकानों के कचरा निस्तारण के लिए प्रतिदिन कचरा संग्रहण ट्रेक्टर चलाने, नगर में बार बार ट्रेफिक जाम की समस्या से निजात हेतु स्थाई पार्किंग जोन निर्धारित करने, नगर में विधुत कटौती से पूर्व सूचना जारी करवाने एवं अघोषित विधुत कटौती बंद करवाने, नगर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, भीडभाड वाले स्थानों व तंग गलियों में पटाखा दुकानों के लाइसेंस जारी नही करने, मुख्य सडक किनारे किए गए अति मण को हटाने तथा बेसहारा गोवंश को गोशालाओं में डालने अथवा शेल्टर होम बनाकर रखने की मांग की। मांगो पर सकारात्मक कार्रवाई नही होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी। इससे पूर्व राष्टीय व्यापार संघ कैट एवं व्यापार मंडल सायला के तत्वावधान में शुक्रवार को व्यापारियों व नगरवासियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर गणपति मंदिर में बैठक का आयोजन हुआ। नगर की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान पूर्व प्रधान रामप्रकाश चौधरी, राष्ट्रीय व्यापार संघ कैट ब्लॉक अध्यक्ष मांगीलाल राजपुरोहित, पूर्व सरपंच सुरेश राजपुरोहित, राहुल भण्डारी, ताराराम चौधरी, नागेश जैन, दुर्गाप्रसाद अग्रवाल, रेवाराम घांची, चमन माहेश्वरी, रमेश आचार्य, रूपकिशोर अग्रवाल, मुकुंद दवे, भूराराम चौधरी, बाबूलाल जैन, हरिचन्द्र राजपुरोहित, नारायण माहेश्वरी, चिंटू अग्रवाल, मदन जैन, उत्तमसिंह राजपुरोहित, मालाराम देवासी, परमेश्वर आचार्य, सुरेंद्रसिंह रावणा, भेराराम घांची, सवाराम माली, मोतीसिंह राजपुरोहित, मदन चौधरी, नरपत घांची, मेहबूब खान जूनियर, जाकिर खान समेत कई व्यापारी मौजूद थे।

लेक्चर स्टैंड पोडियम दिए

जालोर, (कासं)। आईडीबीआई बैंक जालोर की ओर से जालोर ब्लॉक के 38 राजकीय विद्यालयों के लिए लेक्चर स्टैंड पोडियम भेंट किए गए।

अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी डॉ. रमेश खोरवाल ने बताया कि आईडीबीआई बैंक प्रबंधक मनोज कुमार व सहायक प्रबंधक अरूण जैन द्वारा इस वित्तीय वर्ष में सीएसआर एनिट्रेटिव फंड के माध्यम से उपयोगी सामग्री देने के आग्रह किया गया था।

जी.एस.टी. बचत महोत्सव के लिए वाहन रैली

बाड़मेर,(नि.सं.)। जिला कलैक्टर टीना डाबी ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट बाड़मेर से जी.एस.टी. बचत महोत्सव के तहत व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर वाहन रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रैली कलेक्ट्रेट से स्टेशन रोड होते हुऐ कई बाजारों से होती हुई गांधी चौक पहुंची। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा की इस प्रचार वाहन रैली के माध्यम से संशोधित जीएसटी दरों के बारे मे आमजन को जागरूक किया जाएगा, ताकि कम हुई जीएसटी दरों का वास्तविक लाभ मिल सके। उन्होंने आवाहन किया कि आमजन जीएसटी बचत महोत्सव का अधिक से अधिक लाभ ले। वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त आयुक्त डॉ. बिहारी लाल दर्जी एवं भवानीसिंह ने जीएसटी 2.0 रिफॉर्म्स से किस प्रकार उपभोक्ताओं को फायदा हुआ, इस पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर समाजसेवी अनंतराम विश्नोई, लूणकरण बोथरा, धनराज सोनी उपस्थित थे।

रैली एवं चिकित्सा शिविर आज

बाड़मेर, (नि.सं.)। 17 गार्डस की ओर से शनिवार को जिला सैनिक कल्याण कार्यालय, बाड़मेर स्थित सैनिक विश्राम गृह में प्रातः 10 बजे ईएसएम रैली एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया जाएगा।

अज अदालत न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय जालोर
दिवानी विविध प्रकरण संख्या -24/2025(विधिक सरंक्षक) cis No 79/25

प्रार्थीगण - 1. हिमांशु सोनी पुत्र स्व.कन्हैयालाल. 2. रोणित कुमार पुत्र स्व.कन्हैयालाल उम्र 15 वर्ष नाबालिग जरिये सरक्षक भाई हिंमाशु सोनी पुत्र स्व. कन्हैयालाल जातियान सोनी निवासीगण जे.डी.ए.कॉलोनी सरुपरा रोड जालोर तहसील व जिला जालोर ।

बनाम

अप्रार्थीगण - हर आम व खास

प्रार्थना पत्र बाबत् विधिक सरक्षक घोषित करने अन्तर्गत धारा 8 गार्जियन एण्ड वार्ड्स एक्ट 1890

जरिये इस्तिहार न्यायालय हाजा हर खास व आम को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण के पिता स्व. कन्हैयालाल का स्वर्गवास राजकीय सेवा में रहते हुए दिनांक 23.08.2023 को हो चुका था तथा स्व. कन्हैयालाल की पत्नि दुर्गादेवी का स्वर्गवास दिनांक 19.11.2016 को हो गया था । कन्हैयालाल के पुत्र दोनो प्रार्थीगण है ।मृतक कर्मचारी कन्हैयालाल की उपादान व पैंशन राशि मासिक 10,250/- तथा ग्रेच्युटी राशि 3,59,160/- रु प्राप्त करने का अधिकारी नाबालिग रोणित कुमार ही है रोणित कुमार भाई हिंमाशु सोनी के साथ रहता है एवं उसका भरण पोषण शिक्षा आदि का खर्चा भी हिंमाशु सोनी ही उठाता है रोणित कुमार के पारिवारिक पेंशन व उपादान राशि का भुगतान विधिक संरक्षक के माध्यम से होगा जिस हेतु प्रार्थी रोणित कुमार के भाई हिंमाशु सोनी को विधिक सरक्षक घोषित किया जाकर विधिक सरक्षक प्रमाण पत्र जारी करने का प्रार्थना पत्र इस न्यायालय मे पेश किया है अतः हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थीगण को उक्त विधिक सरक्षक प्रमाण पत्र प्राप्त करने में यदि किसी को आपत्ति हो तो स्वयं / अधिवक्ता द्वारा न्यायालय के दिनांक 14.10.2025 को उपस्थित होकर अपना पक्ष पेश कर अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाकर आदेश पारित कर दिया जावें । यह नोटिस मेरे द्वारा आज दिनांक 19.09.2025 को अपने हस्ताक्षर एवं मोहर जारी किया गया ।

मोहर

वरिष्ठ मुंसरिम
पारिवारिक न्यायालय,जालोर (राज.)

आम सूचना

श्रीमती सुशीला देवी पत्नि कुशलराज राव, नि - भैसवाडा का एक आवासीय भुखण्ड ग्राम माधोपुरा भैसवाडा के मुख्य आबादी में 1000 वर्गफीट का आया हुआ है, जिसे राजेन्द्र कुमार व हिमता राम से सुशीला देवी ने खरीदकर बेचाननामें का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय आहोर में दिनांक 21.04.2014 को पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 125 पृष्ठ संख्या 194 क्रम संख्या 2014000836 पर पंजीबद्ध किया गया तथा राजेन्द्र कुमार व हिमता राम ने उक्त भुखण्ड श्रीमती राधा देवी से दिनांक 04.05.2011 को खरीद किया था एवं राधा देवी ने उक्त भुखण्ड रमेश कुमार राव पुत्र ताराजी राव निवासी माधोपुरा से दिनांक 06.10.2008 को खरीद कर बेचाननामें का पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय आहोर में करवाया था एवं रमेश कुमार राव के पक्ष में उपरोक्त भुखण्ड का पट्टा संख्या 127 मिशल संख्या 127/2003-04 दिनांक 30.08.2003 को ग्राम पंचायत भैंसवाडा जरिये संकल्प संख्या 03 के अनुसरण में जारी किया गया । उपरोक्त दस्तावेजो में से पट्टा संख्या 127 दिनांक 30.08.2003 एवं दिनांक 06.10.2008 को रमेश कुमार राव द्वारा राधा देवी को बेचान किये गये दस्तावेज कही गुम हो गये है जिसकी गुमसुदगी रिपोर्ट पुलिस विभाग में दिनांक 26.09.2025 को क्रम संख्या 291052 0/26.09.2025 पर दर्ज करवाई गई जो श्रीमती सुशीला देवी द्वारा आज दिनांक तक ढुढने पर नही मिली है । इस प्रकार उपरोक्त भुखण्ड पर वर्तमान में श्रीमती सुशीला देवी का सार्वभौमिक कब्जा, उपयोग एवं उपभोग होने के कारण ऐक्सिस फायनेंस लिमिटेड शाखा जालोर द्वारा ऋण लिया जाना प्रस्तावित हैं । इसलिये उक्त आम सुचना के जरिये सुचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को उक्त खोए गए दस्तावेज मिले हो तो अध्योहस्ताक्षरकर्ता को सम्पर्क कर लौटाने का श्रम करावें तथा यदि किसी को कोई आपति हो तो तीन दिन के भीतर अध्योहस्तक्षरकर्ता को दर्ज करावें । बाद म्याद गुजरने कोई आपति स्वीकार्य नही होगी। इति दिनांक - 26.09.2025

अभिनव सुथार अधिवक्ता
R/1443/2005
वर्धमान कॉलोनी , आहोर, तहसील आहोर , जिला जालोर (राज.)
मो.न.9799152119

ऑटो में सवार बुजुर्ग के गले से सोने की चेन पार

जोधपुर, (कासं)। शहर में ऑटो सवार बुजुर्गों के कीमती आभूषण चोरी होने का सिलसिला फिर से शुरू हो गया है। अब तक आधा दर्जन केस आ चुके है, मगर पुलिस इस तरफ ध्यान नहीं दे पा रही है। हर बार वृद्ध महिलाओं को टारगेट के आभूषण पार किए जाते रहे है, मगर इस बार एक बुजुर्ग व्यक्ति को अपना शिकार बनाया गया है।

सरदारपुरा थाने में इस बाबत केस दर्ज हुआ है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज से ऑटो और चालक की पहचान के प्रयास में जुटी है।

सरदारपुरा पुलिस के अनुसार 8वीं ई रोड सरदारपुरा निवासी रूपकिशोर राठी ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि वे 25 सितम्बर की दोपहर बस से पाली से जोधपुर आए थे और मथुरादास माथुर अस्पताल रोड पर उतर कर पैदल नेहरू पार्क की ओर जा रहे थे। इस दौरान एमडीएम अस्पताल की तरफ से आ रही एक सवार टैक्सी चालक ने उन्हें बैठने के लिए जोर दिया। ऑटो में पहले से तीन युवक और एक महिला सवार थे।

ऑटो चालक व सवारियों के कहने पर वे उसमें बैठ गए और अपने घर (सेंट मेथोडिस्ट चर्च, नेहरू पार्क रोड) के पास उतर गए। घर पहुँचकर भोजन कर वे सो गए। जब नींद से उठे तो पाया कि उनके गले में पहनी हुई सोने की चेन गायब है। रिपोर्ट के अनुसार चेन दो तोला वजन की थी। जिसमें मोती और चांदी का पेडेंट लगा हुआ था। संदेह है कि ऑटो में सवार लोगों ने यह कारस्तानी की है।

बता दें कि इससे पहले देवनगर, प्रतापनगर, सूरसागर, उदयमंदिर थाना क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं हो चुकी है। जिसमें पहले से सवार महिलाएं और युवक बुजुर्गों के गले से आभूषण और बैग से सामान पार कर लेते है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लेकर सुगम्य बाड़मेर अभियान

बाड़मेर, (नि.सं.)। सरहदी बाड़मेर जिले में सुगम्य बाड़मेर अभियान आर्थिक सशक्तिकरण के साथ दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने की सराहनीय पहल साबित हो रहा है। बाड़मेर जिला प्रशासन का यह अभियान दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणा की क्रियान्विति के तहत बाड़मेर जिला कलक्टर टीना डाबी ने दो सप्ताह पूर्व सुगम्य बाड़मेर अभियान की शुरूआत की थी।

बाड़मेर जिले में सुगम्य बाड़मेर अभियान के तहत प्रत्येक पंचायत समिति मुख्यालय पर दिव्यांगजन शिविर आयोजित करने के साथ उनकी समस्याओं का मौके पर निस्तारण करके राहत पहुंचाई जा रही है। बाड़मेर जिला मुख्यालय पर 12 सितंबर को सुगम्य बाड़मेर अभियान की शुरूआत की गई थी। इसके उपरांत शिव एवं चौहटन पंचायत समिति मुख्यालयों पर आयोजित शिविरों के दौरान बड़े पैमाने पर दिव्यांगजनों की समस्याओं का समाधान करते हुए राहत पहुंचाई गई। इन शिविरों के माध्यम से सैकड़ों लोगों को यूडीआईडी कार्ड के लिए स्क्रीनिंग करने के साथ सहायक उपकरण के चिन्हित किया गया। सामाजिक सुरक्षा योजना संबंधित पेंशन योजनाओं से लाभांवित करवाने के साथ रोडवेज के पास बनाए गए।

इन शिविरों में दिव्यांगजनों ने उत्साह दिखाते हुए सरकारी योजनाओं का फायदा उठाने के साथ राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन की अभिनव पहल की सराहना की। जिला कलक्टर टीना डाबी के मुताबिक विभागीय अधिकारियों को पूर्ण समर्पण एवं गंभीरता से अभियान संबंधित दिशा-निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है। ताकि बाड़मेर जिले के प्रत्येक दिव्यांगजन तक सरकारी योजनाओं का फायदा पहुंच सके और वे आत्मनिर्भर एवं सशक्त समाज का हिस्सा बन सके। इस अभियान की सफल क्रियान्विति के बाड़मेर उपखंड अधिकारी यशार्थ शेखर को नोडल अधिकारी एवं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक सुरेन्द्र प्रतापसिंह भाटी को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया है। बहरहाल, सुगम्य बाड़मेर अभियान न केवल एक सरकारी पहल है, बल्कि यह एक सामाजिक क्रांति है जो बाड़मेर के दिव्यांगजनों को नई दिशा और सम्मानजनक जीवन प्रदान कर रही है। यह अभियान न केवल आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि समाज में समावेशिता और समानता के मूल्यों को भी स्थापित कर रहा है। जिला प्रशासन, सामाजिक संगठनों और समुदाय के संयुक्त प्रयासों से यह अभियान मिसाल साबित हो रहा है। आने वाले वर्षों में, सुगम्य बाड़मेर अभियान और अधिक दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

1007 दिव्यांगों का पंजीयन

सुगम्य बाड़मेर अभियान के तहत बाड़मेर, शिव एवं चौहटन पंचायत समिति मुख्यालय पर आयोजित शिविरों के दौरान 1007 दिव्यांगजनों ने पंजीकरण कराया। इसमें से 767 दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्य के लिए स्क्रीनिंग की गई तथा 278 यूडीआईडी कार्ड जारी किए गए। दिव्यांगों के 26 नवीन पेंशन आवेदन स्वीकृत किए गए तथा इसी 16 नए दिव्यांग पालनहार योजना के आवेदन स्वीकृत करने के साथ 484 लंबित दिव्यांग पालनहार आवेदनों का सत्यापन किया गया। इसके अलावा 242 दिव्यांगों का सहायक उपकरण के लिए चयन करने के साथ 35 रोडवेज पास बनाए गए।

Jalore Nagrik Sahakari Bank Ltd.
Head Office : Near Haridav Joshi Circle , Jalore (Rajasthan)
Email: headoffice@jalorebank.com / Bank Website :- www.jalorebank .com Phone No. 9413854111

क्रमांक/जानासबैंकलि/8818 दिनांक :26.09.2025

निविदा सूचना

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड बैंक को वर्ष 2026 के लिए कैलेण्डर एवं डायरियां मुद्रण हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी (GST Firm) से निविदांए आंमत्रित की जाती है । अत : इच्छूक पंजीकृत एव प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी (GST Firm) अपनी निविदा दरें सील बन्द लिफाफे में दिनांक 15.10.2025 को सांय 4 बजे तक बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष मे रखें गये टेण्डर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें । विस्तृत विवरण , शर्ते, मात्रा इत्यादि की सम्पूर्ण जानकारी बैंक की वेबसाईट www.jalorebank .com पर उपलब्ध है ।

परमानन्द भट्ट
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

मालाणी महोत्सव आज से

बाड़मेर,(नि.सं.)। राजस्थान संगीत नाटक अकादमी, जोधपुर तथा जिला प्रशासन, बाड़मेर की ओर से 27 एवं 28 सितंबर को मालाणी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा।

राजस्थान संगीत नाटक अकादमी के सचिव शरद व्यास ने बताया कि मालाणी महोत्सव का मुख्य आयोजन बाड़मेर के प्रसिद्ध किराड़ू मंदिर प्रांगण में होगा, जहाँ पर्यटन एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से बाड़मेर के इतिहास, कला और संभावनाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का प्रयास किया जाएगा। महोत्सव में शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत, रंगारंग प्रस्तुतियाँ तथा राजस्थान के लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

Jalore Nagrik Sahakari Bank Ltd.
Head Office : Near Haridav Joshi Circle , Jalore (Rajasthan)
Email: headoffice@jalorebank.com / Bank Website :- www.jalorebank .com Phone No. 9413854111

क्रमांक/जानासबैंकलि/8828 दिनांक :26.09.2025

निविदा सूचना

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड को अपनी विभिन्न शाखाओं के लिए वर्ष 2025-26 हेतु Standard make इलेक्ट्रीक एप्लाईसेन्स, सिक्युरिटी सिस्टम एवं एटीएम / रिसाईकलर मशीन इत्यादि खरीद हेतु पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी (GST Firm) से निविदाएँ आंमत्रित की जाती है । अतः इच्छुक पंजीकृत एवं अनुभवी, प्रतिष्ठित फर्म / कम्पनी (GST Firm) अपनी निविदा (Technical & Financial Bid) के अलग - अलग सील बन्द लिफाफे में दिनांक 15.10.25 सांय 4 बजे तक बैंक प्रधान कार्यालय में रखे गये टेण्डर बॉक्स में डालना सुनिश्चित करें । बैंक की अधिकृत कमेटी आवश्यकताओं के दृष्टिगत विभिन्न पहलुओं के आंकलन के आधार पर निविदा को अस्वीकृत / अंतिम रुप से बाध्यकारी होगा । विस्तृत विवरण, शर्तें, मात्रा इत्यादि की सम्पूर्ण बैंक की वेबसाईट www.jalorebank .com पर उपलब्ध है ।

परमानन्द भट्ट
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

गेलावास में सेवा शिविर

पाली, (नि.सं.)। ग्राम पंचायत मुख्यालय गेलावास के शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 470 किसानों को गिरदावरी एप की जानकारी देकर 203 किसानों से एप डाउनलोड करवाया एवं आपसी सहमति से बटवाड़ा के 2 प्रकरणों, 11 फॉर्मर रजिस्ट्री कार्ड के प्रकरणों, मूल निवास प्रमाण पत्र के 32 एवं जाति प्रमाण पत्र के 27 आवेदनों का निस्तारण किया गया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा 02 पेंशन सत्यापन एवं 03 आवेदन पालनहार योजना में प्राप्त किए। चिकित्सा विभाग द्वारा 451 टीबी स्कैनिंग, 391 एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। विद्युत विभाग द्वारा विद्युत सप्लाई/त्रुटिपूर्ण मीटर संबंधी 05 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 200 पशुओं का टीकाकरण किया गया। रसद विभाग द्वारा 77 यूनिट्स की ई केवाईसी एवं 21 यूनिट्स की आधार सीडिंग की गई।

दिवान्दी के शिविर में राजस्व विभाग द्वारा 400 किसानों को गिरदावरी की जानकारी देकर 187 किसानों से एप डाउनलोड करवाया एवं 1 सहमति से बंटवाडा के प्रकरणों, 05 फॉर्मर रजिस्ट्री कार्ड के प्रकरणों, मूल प्रमाण पत्र के 17 एवं जाति प्रमाण पत्र के 22 आवेदनों, भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा (136) के कुल 2 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। 13 पेंशन सत्यापन एवं 01 आवेदन पालनहार योजना में प्राप्त किए। चिकित्सा विभाग द्वारा 466 टीबी स्कैनिंग, 419 एनसीडी स्क्रीनिंग की गई। विद्युत विभाग द्वारा 05 त्रुटिपूर्ण मीटर/विद्युत सप्लाई संबंधी प्रकरणों का निस्तारण किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा 225 पशुओं का टीकाकरण किया गया। कृषि विभाग द्वारा कुल 13 लाभन्वित कृषकों को मिनी किट वितरण किया गया। रसद विभाग द्वारा 259 यूनिट्स की ई केवाईसी एवं 80 यूनिट्स की आधार सीडिंग की गई।

तहसीलदार विकास अधिकारी मनमोहन मीणा, अतिरिक्त विकास अधिकारी, पं.स. रोहट, सहायक विकास अधिकारी, पं.स. रोहट, सहायक अभियंता, विद्युत विभाग एवं अन्य समस्त ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण व आमजन मौजूद रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-ऑक्शन आमंत्रित करने की सूचना

निविदा सं.	कार्य का नाम एवं स्थान	आरक्षित मूल्य 06 माह के लिए	बयाना राशि
17	गाडी सं 14821 / 14822 में ट्रेन साइड वेंडिंग हेतु	Rs. 6,79,770/-	Rs. 34,000/ -
18	गाडी सं 14823 / 14824 में ट्रेन साइड वेंडिंग हेतु	Rs. 11,87,550/ -	Rs. 59,400/-
19	गाडी सं 14891 / 14892 में ट्रेन साइड वेंडिंग हेतु	Rs. 11,87,550/ -	Rs. 59,400/
20	गाडी सं 14893 / 14894 में ट्रेन साइड वेंडिंग हेतु	Rs. 8,47,665/-	Rs. 42,400/
21	गाडी सं 22483 / 22484 में ट्रेन साइड वेंडिंग हेतु	Rs. 2,90,160/ -	Rs. 14,600/

1	निविदा फॉर्म खरीदने की अंतिम तिथि एवं समयः	दिनांक 30.09.2025 को 11.00 बजे तक।
2	निविदा फॉर्म स्वीकार की अंतिम तिथि एवं समयः	दिनांक 30.09.2025 को 11.00 बजे तक।
3	निविदा खोलने की अंतिम तिथि एवं समयः	दिनांक 30.09.2025 को 11.00 बजे तक।
4	वेबसाइट जहाँ से निविदा के सम्बन्ध में पूरी जानकारी प्राप्त की जा सकती है:	www.ireps.gov.in

1232-AN/25

हमें /NWRailways पर फॉलो करें

हर बार जब टीम इंडिया यह जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी, मैं हमेशा उनके साथ खड़ा रहूंगा। इस बार, हमारी महिलाएँ ही हैं जो विश्व कप जीतकर इतिहास रचने के लिए तैयार हैं।

- टाइगर श्राफ

बॉलीवुड अभिनेता, भारतीय महिला टीम का समर्थन करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

शमार जोसेफ

वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ चोट की वजह से अगले महीने भारत के ख़िलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह अनकैप्ड तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर योहान लेन को टीम में शामिल किया गया है। भारत में 14 अक्टूबर को टेस्ट सीरीज खत्म करने के बाद वेस्टइंडीज की टीम बांग्लादेश में तीन वनडे खेलेगी, जो 18 अक्टूबर से शुरू होंगे। इसके बाद 27 अक्टूबर से 1 नवंबर तक तीन टी20 भी होंगे। इसके बाद टीम न्यूजीलैंड जाएगी, जहां पांच टी20, तीन वनडे और तीन टेस्ट की ऑल-फॉर्मेट सीरीज खेलेगी। फ़िलहाल टीम यूएई में है।

क्या आप जानते हैं ?... 1984 में एशिया कप का पहला सीजन खेला गया, तब से लेकर अब तक भारत-पाकिस्तान के बीच कभी एशिया कप का फाइनल नहीं हुआ।

एशिया कप 2025 फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी

दुबई, 26 सितम्बर। बांग्लादेश को हराकर पाकिस्तान एशिया कप 2025 के फाइनल में पहुंच गया है। वहीं अब 28 सितंबर, रविवार को भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 का फाइनल मैच खेला जाएगा। ये भारत और पाकिस्तान की एशिया कप के इतिहास में 17वीं बार भिड़ंत होगी। एशिया कप के इतिहास में ये पहली बार है जब खिताबी मुकाबले में दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। हालांकि, व्हाइट बॉल टूर्नामेंट के फाइनल में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पलड़ा भारी रहा है। भारत और पाकिस्तान के बीच लिमिटेड ओवर्स टूर्नामेंट में कुल पांच फाइनल खेले गए हैं जिसमें पांच से ज्यादा टीमों ने हिस्सा लिया हो। इस दौरान पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में टीम इंडिया सिर्फ दो बार जीत हासिल कर सकी है। भारत ने बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप (1985) और पहला टी20 वर्ल्ड कप (2007) जीता है। वहीं पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप (1986,1994) और हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी (2017) जीती। 1985 में बेन्सन एंड हेजेज वर्ल्ड क्रिकेट चैंपियनशिप में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया था। ऑस्ट्रल-एशिया कप 1986 में पाकिस्तान ने एक विकेट से जीत दर्ज की थी। 1994 में एशिया कप में पाकिस्तान ने 39 रन से बाजी मारी। वहीं भारत ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में पाकिस्तान के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की। 2017 में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान ने भारत को 180 रनों से हराया था।

नेपाल को 3-0 से हराकर भारत सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के फाइनल में

कोलंबो, 26 सितंबर। भारत की अंडर-17 पुरुष राष्ट्रीय टीम ने नेपाल को 3-0 से हराकर सैफ अंडर-17 चैंपियनशिप 2025 के फाइनल में जगह पक्की कर ली। गुरुवार रात रेसकोर्स इंटरनेशनल स्टेडियम में हुए सेमीफाइनल में गत चैंपियन ने आखिरकार अपने दबदबे को गोल में बदल दिया, जिससे अब खिताबी मुकाबले में उसका बांग्लादेश से सामना होगा, जिसने पहले पाकिस्तान को 2-0 से हराया था। वांगखेराकपम गुनलेइबा (61वें मिनट) और स्थानापन्न अजलान शाह खान (80वें मिनट) और डायमंड सिंह थोकचोम (90वें मिनट) ने गोल किए और ब्लू कोल्ट्स ने टूर्नामेंट में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। हाफ-टाइम तक स्कोरलाइन गोलरहित रही।

भारत ने सुपर ओवर में श्रीलंका को हराया

अर्शदीप ने महज 2 रन दिए, टी-20 एशिया कप में पहला मैच टाई हुआ था

दुबई, 26 सितंबर। भारत ने एशिया कप 2025 में अपना अजेय अभियान जारी रखा है। टीम ने श्रीलंका को सुपर ओवर में हराया। इसमें भारत को 3 रन का टारगेट मिला था, जिसे भारतीय बैटर्स ने एक गेंद पर हासिल कर लिया। शुक्रवार रात को भारतीय टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। जवाब में श्रीलंकाई टीम ने भी 20 ओवर में 5 विकेट पर 202 रन बनाए। ऐसे में फैसला सुपर ओवर में हुआ। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में 203 रन का टारगेट चेज कर रही श्रीलंकाई टीम से पथुम निसांका ने 58 बॉल पर 107 रन की पारी खेली। उन्होंने कुसल परेरा (58 रन) के साथ 127 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी ने मैच टाई कराया। इससे पहले भारतीय टीम ने मौजूदा एशिया कप में पहली बार 200 रन से ज्यादा का स्कोर बनाया था। ओपनर अभिषेक शर्मा ने 31 बॉल पर 61 रन बनाए। तिलक वर्मा ने नाबाद 49 रन की पारी खेली। संजू सैमसन ने 39 और अक्षर पटेल ने नाबाद 21 रन बनाए। श्रीलंका के 5 गेंदबाजों को एक-एक विकेट मिला। इनमें महीश तीक्षणा, दुष्मंथा चमीरा, वानिंदू हसरंगा, दसुन शनाका और चरिथ असलंका शामिल रहे।

सूर्यकुमार यादव पर आईसीसी ने 30% जुर्माना लगाया, पहलगाम अटैक पर किया था कमेंट

दुबई, 26 सितम्बर। टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव पर पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप ग्रुप लीग मैच के बाद की गई टिप्पणी पर आईसीसी ने बड़ा एक्शन लिया है। दरअसल, आईसीसी ने इसके लिए सूर्या पर 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। बता दें कि, सूर्या ने मैच के बाद कहा था कि, बस कुछ कहना चाहता था। ये बिल्कुल सही मौका है समय निकालकर। हम पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं। हम अपनी एकजुटता व्यक्त करते हैं। इस जीत को हमारे सभी सशस्त्र बलों को समर्पित करना चाहते हैं, जिन्होंने अदम्य साहस दिखाया। आशा है कि वे हमें प्रेरित करते रहेंगे और जब भी हमें मौका मिले हम उन्हें मैदान पर मुस्कुराने का और भी कारण देंगे। इस टिप्पणी में उन्होंने मई में दोनों देशों के बीच हुई सैन्य झड़प का जिक्र किया था। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सूर्या के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था।

आईसीसी ने मैदान पर आचरण के लिए रऊफ और फरहान को फटकार लगाई

दुबई, 26 सितम्बर। दुबई में 21 सितंबर को भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए जांचे गए दो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईसीसी मैच रेफरी ने फटकार लगाई है। आईसीसी द्वारा आयोजित सुनवाई में, दोनों को आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया। क्रिकबज को पता चला है कि तेज गेंदबाज हारिस रऊफ पर मैदान पर दुर्घटनाग्रस्त विमान की नकल करने के लिए जुर्माना लगाया गया है। उन्हें खेल को बदनाम करने के लिए भी कड़ी फटकार लगाई गई है। जुर्माने की सही राशि का पता नहीं चल पाया है, लेकिन रऊफ की मैच फ़ीस का एक हिस्सा काट लिया गया है। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबज़ादा फरहान को भी लेवल 1 के अपराध का दोषी पाया गया और आईसीसी अधिकारी ने उन्हें फटकार लगाई है। फरहान ने अपने अर्धशतक का जश्न मनाने के लिए अपने बल्ले को बंदूक की तरह चलाया। फरहान ने उस सुपर 4 मुकाबले में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की छह विकेट से हार में 45 गेंदों पर 58 रन बनाए थे।

राज्य स्तरीय अंडर-23 ट्रॉफी

जयपुर को हरा उदयपुर ने जीती ट्रॉफी

पुष्पेंद्र सिंह मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

जयपुर, 26 सितम्बर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआई के आगामी घरेलू क्रिकेट सत्र 2025 - 26 की अंडर 23 प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान अंडर 23 टीम के संभावितों के चयन हेतु आरसीए के तत्वाधान में खेले जा रही राज्य स्तरीय अंडर 23 प्रतियोगिता के आज सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले गए फाइनल मैच में उदयपुर ने जयपुर को 155 रनो से हरा जीती ट्रॉफी। फाइनल मैच के प्रेजेंटेशन समारोह में आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत, सदस्य आशीष तिवाड़ी ने विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी व मोमेंटो प्रदान किये।

हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर है, विवाद पर नहीं : हरमनप्रीत कौर

बेंगलुरु, 26 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पुरुष एशिया कप को लेकर हो रहे शोर-शराबे को दरकिनार करते हुए कहा है कि हम यहां केवल क्रिकेट खेलने आये और हमारा सारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।

इस महीने की शुरुआत में आयोजित हुए एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के मैच में खिलाड़ियों के हाथ ना मिलाने और उसके लेकर हुई राजनीति और बयानबाजी को लेकर पाकिस्तान के साथ मुकाबले को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में हरमनप्रीत ने कहा, "हम केवल मैदान पर होने वाली घटनाओं को नियंत्रित कर सकते हैं। अन्य मामले हमारे हाथ से बाहर हैं। ड्रेसिंग रूम में, हम इन बातों पर चर्चा भी नहीं करते। हम यहां केवल क्रिकेट खेलने के लिए हैं, और हमारा ध्यान क्रिकेट पर ही रहेगा।"

हरमनप्रीत ने आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 से पहले कैप्टन्स डे पर संवाददाताओं से कहा, "फिलहाल, हमारा ध्यान शुरुआती मैच पर है, क्योंकि यही टूर्नामेंट की दिशा तय करता है। सभी मैच समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हम मैदान के बाहर होने वाली किसी भी चीज पर ध्यान नहीं देंगे।"

यह सिर्फ़ इरादे का बयान नहीं था, बल्कि एक ऐसी खिलाड़ी के निजी सफर का प्रतिबिंब था जो पंजाब के घरेलू सर्किट से 12 साल बाद घरेलू विश्व कप टीम की कप्तानी तक पहुंची।

अभिषेक ने मोहम्मद रिजवान का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बने

दुबई, 26 सितंबर। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ अपने बल्ले से तबाही मचा दी। इस दौरान उन्होंने अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह एशिया कप के टी20 सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

राजधानी

हेरिटेज निगम के किशनपोल जोन ने किए पांच जर्जर भवन अस्थाई सीज

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज के किशनपोल जोन क्षेत्र में जर्जर भवनों पर कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को किशनपोल जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी के नेतृत्व में भवन निर्माण शाखा और सतर्कता दस्ते में पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज कर दिया है। जोन कार्यालय की ओर से सभी पांच भवन मालिक को जर्जर भवन के तुरंत मरम्मत के निर्देश दिए थे। नोटिस के बाद भी जर्जर भवन की मरम्मत कार्य शुरू नहीं करने पर जोन उपायुक्त दिलीप भंभानी ने पांच जर्जर भवनों को अस्थाई सीज किया है। सभी जर्जर भवन जौहरी बाजार के मोती सिंह भोमिया जी के रास्ते में है। इन भवनों को किया अस्थाई सीज 4319, नथमल जी का चौक, 4310, नथमल जी का चौक 4356, नथमल जी का चौक 3952 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ता 2305 मोतीसिंह भोमिया जी का रास्ते में की गई कार्रवाई।

मिलने का झांसा दे मूकबधिर लड़की से दुष्कर्म

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट में रहने वाली एक मूकबधिर लड़की के गलत नंबर पर वीडियो कॉल लग गया। जिसके बाद अज्ञात बदमाश ने पीड़िता से इशारों में बात कर उसे मिलने का झांसा देकर अकेले में बुलाया और उसके साथ दुष्कर्म किया। वारदात को अंजाम देने के बाद शातिर बदमाश ने किसी को ये बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। लड़की गुमशुम रहने लगी तो परिजनों ने वजह पूछी। जिसके बाद पीड़िता ने इशारों के माध्यम से परिजनों को आपबीती सुनाई । घटना की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित पिता ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ पॉस्को एक्ट का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस ने बताया कि पीड़ित पिता का आरोप है कि उसकी मूकबधिर बेटी से 10 दिन पहले गलत नंबरों पर वीडियों कॉल लग गया था। जिसके बाद आरोपी अज्ञात लड़के ने इशारो में लड़की से बात की। जिसके बाद आरोपी ने दो - तीन बार वीडियो कॉल किया। शातिर बदमाश ने इशारो के माध्यम से लड़की को मिलने का झांसा देकर हाट बाजार बुलाया। जहां से आरोपी उसे बाइक पर बैठाकर एक होटल में ले गया। आरोपी ने होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और ये बात किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित पिता को वारदात की जानकारी मिलने के बाद उन्होने थाने पहुंच अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर अज्ञात बदमाश के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

अक्टूबर में चलेगा साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान : अतिरिक्त मुख्य सचिव

राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 से प्रदेश में लगेगी साइबर क्राइम पर लगाम

जयपुर। प्रदेश में त्योहारों के सीजन के चलते ऑनलाइन ठगी एवं अन्य साइबर धोखाधड़ी जैसे अपराधों से रोकथाम के लिए गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री भास्कर ए. सावंत ने राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930, साइबर सुरक्षा जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सभी विभाग को एकजुट होकर कार्य करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अक्टूबर माह में साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिससे प्रदेश में प्रत्येक व्यक्ति तक इस हेल्प लाइन नं. 1930 की पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

- **साइबर अपराधों के विरूद्ध लड़ाई में ऊर्जा, पीएचईडी, शिक्षा, जनसंपर्क विभाग, बैंक सहित सभी विभाग एकजुट**

शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुक्रवार को शासन सचिवालय में साइबर ठगी से रोकथाम एवं साइबर जागरूकता को लेकर आयोजित उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहें थे।

उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग को शहर के प्रमुख चौराहों पर राष्ट्रीय साइबर हेल्प लाइन नं. 1930 और साइबर अपराधों की रोकथाम के प्रति जागरुकता के लिए होर्डिंग्स लगवाने, जिलों में सोशल मीडिया जैसे इस्ट्राठाग्राम, फेसबुक एवं एक्स हैण्डलस पर स्थानीय इंफलुएसर्स के साथ मिलकर प्रचार-प्रसार, ऊर्जा एवं पीएचईडी विभाग को उपभोक्ता बिलों पर 1930 हेल्प लाइन नम्बर का प्रकाशन, शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षक संघों के साथ बैठक आयोजित कर साइबर सुरक्षा जागरूकता पहलुओं जैसे ओटीपी, एटीम पासवर्ड साझा नहीं करना, अनजान लिंक्स पर क्लिक नहीं करने, अपने पासवर्ड को गोपनीय रखने, डाटा प्राईवेसी, डिजिटल पेमेंट सेफ्टी आदि से संबंधित सुरक्षा प्रावधानों के बारे में जागरुक करने के निर्देश दिए।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने जिला स्तर पर कलक्टर एवं एसपी को अपने जिले के शीर्ष बैकों, व्यापारी संघों के साथ बैठक आयोजित कर आमजन को हैल्प लाईन नं. 1930 के बारे में जागरूक करने एवं अन्य साइबर सुरक्षा संबंधी पहलुओं के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के शासन सचिव श्री रवि कुमार सुरपुर, गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव श्री महेंद्र कुमार खींची, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सचिन मित्तल, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) डॉ. गोरधन लाल शर्मा सहित ऊर्जा, पीएचईडी, उपभोक्ता मामले एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्ट व क्राफ्ट प्रदर्शनी शिल्पकार का आगाज

- **प्रदर्शनी में आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं**
- **क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं।**

जयपुर। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक अद्वितीय प्रदर्शन है - शिल्पकार आर्ट और क्राफ्ट प्रदर्शनी 2025 जिसमें 12 शिल्पकार अपने अद्भुत शिल्प कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। ये शिल्पकार, जिन्होंने विभिन्न पारंपरिक कलाओं में महारत हासिल की है, भारतीय शिल्पकला में अपने महत्वपूर्ण योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान और पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। इस प्रदर्शनी का आज विधिवत उद्घाटन एमएलए, गोपाल शर्मा द्वारा पारंपरिक दीप प्रज्वलन से किया गया। इसके अलावा प्रदर्शनी में प्रेजिडेंट, राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के.एल.जैन; डीसी हैंडीक्राफ्ट्स सीतापुरा जयपुर, वरिष्ठ सहायक निदेशक, रजत वर्मा और सुधीर माथुर शामिल थे।

प्रदर्शनी में सबसे ख़ास आकर्षण का केंद्र रहा प्रसिद्ध रत्न शिल्पकार, पृथ्वीराज कुमावत द्वारा बनाया गया पन्ना रत्न जड़ित उत्कृष्ट प्राकृतिक कृति जिसके दोनों ओर गणेश जी की जटिल आकृतियाँ उकेरी गई हैं और इसे बड़ी ही कुशलता और बारीकी से तैयार किया है। इस नक्काशी को नाज़ुक फूलों और पत्तियों से सजाया गया है, जो कारीगर के असाधारण कौशल को दर्शाता है। मूर्ति का वज़न 2367 कैरेट, ऊँचाई 8 सेमी, चौड़ाई 9 सेमी तथा गहराई 6 सेमी है। राज्य स्तरीय एवं कलारत्न पुरस्कार से सम्मानित, सुनीश मारू की बजरंग बलि की विश्व प्रसिद्ध जेमस्टोन पेंटिंग जो अन्यन्त्र कही नही बनाती है, इस प्रकार की पेंटिंग को कांच के पीछे से बनाया जाता है। राम सोनी द्वारा भगवान कृष्ण की यमुना तट पर कदम वृक्ष के नीचे अपनी गाय चराते हुए बैठे सांझी आर्ट (पेपर कटिंग) चित्र जो गोचारण लीला को दर्शाता है और शिपगुरु विनोद कुमार जांगिड़ की चन्दन की लकड़ी पर नक्काशी से भगवान महावीर के मंदिर में भगवान की 24 तीर्थंकरों का निवास है। ये शिल्पकार, जो अपने-अपने शिल्प में निपुण हैं, अपनी परंपराओं को संरक्षित और विकसित कर रहे हैं, जिससे भारतीय कला को वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। उनकी अद्वितीय कारीगरी और समर्पण भारत की शिल्पकला की अनंत सुंदरता और विविधता को जीवंत बनाए रखने का उदाहरण है।

गोविंद देवजी मंदिर में पंच कुंडीय दुर्गा-गायत्री महायज्ञ कल

जयपुर। शारदीय नवरात्र के उपलक्ष्य में आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में रविवार को सुबह आठ से दस बजे तक शक्ति साधना महोत्सव-2025 का आयोजन किया जाएगा। मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी, देवमाता गायत्री, मां दुर्गा और गुरु सत्ता के षोडशोपचार पूजन के बाद पंच कुंडीय दुर्गा गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। शारीरिक, आर्थिक, मानसिक सहित किसी भी तरह की अशक्ति को दूर कर शक्ति अर्जन के लिए दुर्गा गायत्री महामंत्र गिरिजायै विद्महे शिवप्रियाय च धीमहि तन्नो दुर्गा प्रचोदयात् के साथ आहुतियां प्रदान की जाएंगी। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने

शिक्षा विभाग में विभिन्न संवर्ग के 12193 कार्मिकों को मिली पदोन्नति

विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक में चयनित हुए कार्मिक

जयपुर । राजस्थान सरकार के माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से अजमेर में आयोजित विभागीय पदोन्नित समिति (डीपीसी) की बैठक में वर्ष 2025-26 हेतु अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक एवं उप निदेशक तथा वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 हेतु उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी में कुल 11,886 कार्मिकों का चयन किया गया। इसी प्रकार विभिन्न संवर्गों की रिव्यू डीपीसी में भी चयन किया गया, जिनमें द्वितीय श्रेणी अध्यापक से प्राध्यापक पद पर 205 कार्मिक, छाया पद प्राचार्य पर 12, छाया पद प्राध्यापक पर 14 तथा प्राचार्य रिव्यू डीपीसी के अंतर्गत व्यक्तिगत प्रकरणों में 2 कार्मिक शामिल रहे। समठा रूप से विभाग में अतिरिक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक, उप निदेशक एवं उप-प्राचार्य पदों की नियमित डीपीसी तथा प्राध्यापक (विभिन्न विषय-रिव्यू), छाया पद प्राचार्य एवं प्राध्यापक तथा प्राचार्य (रिव्यू) सहित कुल 12,193 कार्मिक पदोन्नित से लाभान्वित हुए हैं। उक्त डीपीसी राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा मनोनीत माननीय सदस्य प्रो. (डॉ.) अय्यूब खान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इसमें सदस्य सचिव निदेशक माध्यमिक शिक्षा, राजस्थान श्री सीताराम जाट, कार्मिक विभाग से मनोनीत श्री सैयद सिराज अली जैदी तथा शासन द्वारा नामित संयुक्त शासन सचिव श्री मनीष गोयल सदस्य के रूप में सम्मिलित रहे।ये पदोन्नितयां राज्य की शिक्षा व्यवस्था में रिक्त पदों की पूर्ति एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक कदम हैं। शिक्षामंत्री श्री मदन दिलावर एवं शासन सचिव, शिक्षा श्री कृष्ण कुणाल ने पदोन्नत अधिकारियों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनसे प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का आ ान किया। श्री मदन दिलावर, शिक्षामंत्री राजस्थान ने कहा कि शिक्षा विभाग के 12,193 कार्मिकों की पदोन्नित राज्य सरकार की शिक्षण नेतृत्व में समावेशिता और समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

राज्य सरकार हर वर्ष ''प्रवासी राजस्थान सम्मान'' देगी- भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में प्रवासी राजस्थान मीट में भाग लिया

जयपुर, 26 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हैदराबाद में आयोजित प्रवासी राजस्थानी मीट में कहा कि दुनियाभर में रहने वाले प्रवासी राजस्थानी जहां भी जाते हैं, वहाँ, अपनी संस्कृति और संस्कारों से राजस्थानी मिट्टी की खुशबू फैलाते हैं। उन्होंने प्रदेश में निवेश कर 'विकसित राजस्थान' के निर्माण में सहभागी बनने के लिए प्रवासी राजस्थानी का आव्हान किया।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि इस वर्ष से 10 दिसम्बर को जयपुर में प्रवासी राजस्थान दिवस का आयोजन किया जायेगा। प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रभावों को मजबूती देने के लिए एक विशेष विभाग गठित किया जायेगा।**

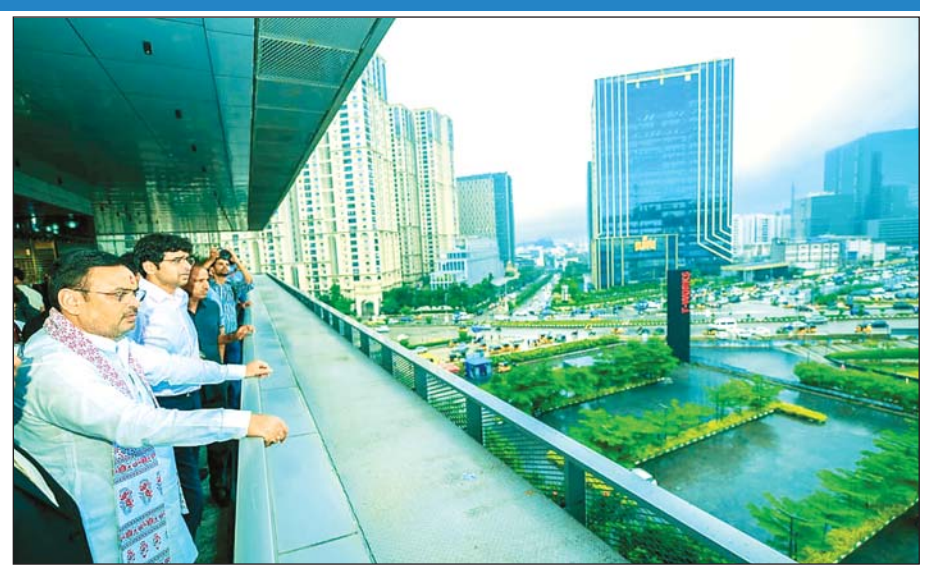

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को हैदराबाद में हाईटेक सिटी और आई टी हब का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि 10 दिसंबर को जयपुर में प्रथम ''प्रवासी राजस्थानी दिवस'' आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन हर वर्ष किया जाएगा और इस अवसर पर हर साल ''प्रवासी राजस्थानी सम्मान'' भी दिया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रवासी राजस्थानियों के सामाजिक और व्यावसायिक प्रयासों को मजबूती देने के लिए, एक विशेष विभाग गठित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रवासी राजस्थानियों की समस्याओं के समाधान के लिए हर जिले में अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। साथ ही,राजस्थान फाउंडेशन को सशक्त किया गया है। पिछले एक वर्ष में 14 नए चैप्टर खोले गए हैं और कुल 26 चैप्टर अब सक्रिय हैं।

दुनिया के न्यूयॉर्क, लंदन, रियाद जैसे प्रमुख शहरों में फाउंडेशन के चैप्टर सुचारू रूप से कार्य कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए न्यूनतम निवेश की सीमा 100 करोड़ रुपये से घटाकर 50 करोड़, तथा रिप्स-2024 में 10 करोड़ कर दी गई है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की सराहना की और कई उद्यिमयों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राजस्थान फाउंडेशन की सदस्यता की शुरुआत भी की गई। कार्यक्रम में उद्योग राज्यमंत्री के के बिश्नोई, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त मनीषा अरोड़ा, प्रवासी समुदाय के अनेक प्रतिनिधि व उद्यमी उपस्थित थे।

इलाहाबाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज फैसला सुनाया गया। राहुल गांधी ने वाराणसी के स्पेशल जज, एमपी/एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। उन्होने वाराणसी एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा निगरानी याचिका स्वीकार किए जाने को दी थी। उच्च न्यायालय से याचिका खारिज होने के बाद अब वाराणसी की एमपी एमएलए कोर्ट में निगरानी याचिका पर आगे की सुनवाई होगी। पिछली 21 जुलाई को वाराणसी एमपी/एमएलए कोर्ट ने राहुल गांधी के ख़िलाफ़ निगरानी याचिका को स्वीकार किया था जिसके खिलाफ राहुल गांधी ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शरण ली थी।

जस्टिस एस.पी. ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फिलहाल जस्टिस एसपी शर्मा राजस्थान हाईकोर्ट में वरिष्ठतम न्यायाधीश हैं और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष भी हैं। जस्टिस शर्मा 26 सितंबर, 2026 को रिटायर होंगे।

आईटी मंत्री अश्विनी...

- **''स्वदेशी टैक'' को एक एडवान्टेज जरूर है, उनके समक्ष भारत का विशाल ''डॉमैस्टिक'' मार्केट है और उन्हें विदेशी ग्राहकों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।**
- **पर, यह भी सच है कि विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ दशकों से मार्केट में हैं तथा भारतीय ग्राहकों तक में उनके प्रति ब्राण्ड लॉयल्टी है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बड़ी संख्या में इंजीनियर, सॉफ़्टवेयर डेवलपर और बढ़ता हुआ स्टार्टअप इकोसिस्टम पहले से ही प्रतिस्पर्धी घरेलू समाधान बना रहे हैं। ज़ोहो और स्थानीय डिजिटल मैपिंग प्लेटफ़ॉर्म जैसे सॉफ़्टवेयर और सेवाओं के विकल्प यह साबित करते हैं कि देश व्यावहारिक विकल्प पेश करने में सक्षम है। विशाल घरेलू बाज़ार के साथ ये ताकतें तुरंत निर्यात पर निर्भर हुए स्थानीय नवाचार को बड़ा बनाने का अवसर देती हैं। संभावनाओं के बावजूद कई बाधाएँ हैं। कई घरेलू तकनीकी उत्पाद फीचर्स, भरोसेमंदी और उपयोगकर्ता अनुभव के मामले में अंतर्राष्ट्रीय उत्पादों से पीछे हैं, जिससे उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए बदलाव मुश्किल हो जाता है। हार्डवेयर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स में गहरी संरचनात्मक समस्याएँ हैं, क्योंकि भारत अभी भी आयातित पुर्ज़ों और सीमित हाई-एंड विनिर्माण ढाँचे पर निर्भर है। आपूर्ति श्रृंखला की कमी, असंगत इंटरनेट कनेक्टिविटी और ग्रामीण ढाँचे की कमियाँ अपनाने की प्रक्रिया को और जटिल बनाती हैं। अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा भी दबाव बढ़ाती है। भारत को न केवल बराबरी करनी है बल्कि पहले से स्थापित बहुराष्ट्रीय कंपनियों से मुकाबला भी करना है, जिसके लिए लगातार रिसर्च और डवलपमैंट में निवेश करना नई प्रतिभा को जोड़ना व आधुनिक सुविधाओं का निर्माण करना होगा। उपभोक्ता व्यवहार- जिसे ब्रांड वफ़ादारी, कीमत की संवेदनशीलता और गुणवत्ता की धारणा प्रभावित करती है-भी एक चुनौती है। अगर मजबूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा और वैश्विक मानकों का पालन नहीं किया गया तो घरेलू विकल्पों के लिए भरोसा पाना कठिन होगा। स्वदेशी टैक पहल में बदलाव लाने की ताकत है।

मनमोहन सिंह के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के नेता राहुल गांधी तथा अन्य कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को उनकी जयंती पर नमन करते हुए कहा कि देश में उन्होंने जो आर्थिक सुधार शुरु किए उनके कारण राष्ट्र आज तेजी से आर्थिक प्रगति कर रहा है।

रॉनल्ड रीगन के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज की वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के समय में भारत के लिए घरेलू मांग को बढ़ावा देना ज़रूरी है। अमेरिका में टैरिफ बाधाओं की वजह से भारत के निर्यात का बड़ा भाग देश के भीतर ही अटका हुआ है, बजाय उन बाज़ारों में पहुँचने के, जहाँ के लिए इन्हें बनाया गया था। इन सामानों की बिक्री तभी होगी, जब घरेलू मांग मज़बूत हो, ताकि सामान मैनुफैक्चर करने वालों पर अतिरिक्त माल का बोझ न पड़े।

इसीलिए प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे त्योहार मनाएँ, खर्च करें, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ी हुई मांग की मजबूत खुराक मिल सके। निश्चित रूप से इस समय जीएसटी दरों में की गई कटौती के कारण कीमतें घटने पर खरीदारों की तरफ से प्रतिक्रिया उत्साहपूर्ण होगी। उदाहरण के तौर पर, मोटर वाहनों की ऑन रोड कीमतों में कटौती हुई है। इसके परिणामस्वरुप, कार और दोपहिया वाहनों की कीमतों में भारी कमी आई है। इसलिए कोई आश्चर्य नहीं कि ऑटोमोबाइल निर्माताओं की बिक्री ज्यादा होगी।

कम कीमत वाले सामानों, जैसे बिस्कुट पैकेट से लेकर दवाइयों तक, दरों में कटौती से भी मांग में उछाल आएगा और बिक्री में तेजी होगी। हालाँकि केवल एक त्योहार के मौसम की बिक्री लंबी अवधि में बड़ा असर नहीं डाल सकती। मांग में लगातार और स्थायी बढ़ोतरी के लिए मज़बूत आधार होना चाहिए और यह भी ज़रूरी है कि मांग एक ऊँचे स्तर पर जाकर स्थिर हो।

अर्थशास्त्र केवल त्योहारी सीज़न की बिक्री और खुशगवार माहौल से नहीं चलता। इन प्रोत्साहनों को लंबे समय तक सफल बनाने के लिए मांग में वृद्धि को लंबे समय तक बनाए रखना होगा। यह काम केवल एक बार की दर कटौती से कहीं ज्यादा कठिन काम है।

एक आशाजनक संकेत यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से अपनी आंतरिक खपत पर आधारित है और पूरी तरह से निर्यात पर ज़्यादा निर्भर नहीं है। इसलिए मौजूदा स्थिति में घरेलू खपत में बढ़ोतरी अगर लंबे समय तक जारी रही, तो यह विकास का इंजन बन सकती है। भारतीय अर्थव्यवस्था की अपनी आंतरिक गति को देखते हुए यह उम्मीद की जा सकती है कि यह अर्थव्यवस्था को उच्च विकास के रास्ते पर आगे ले जाने के लिए पर्याप्त प्रारंभिक बल देगी। ज़रूरत सिर्फ इस बात की है कि सरकार ऐसे कदम न उठाए, जो अर्थव्यवस्था के इस स्वाभाविक विकास प्रक्रिया में रुकावट डालें।

- **पर, यह भी सच है कि एक त्योहार का सीजन पर्याप्त नहीं है, देश की इकॉनमी को पार लगाने के लिए। जनता की डिमांड में कुछ स्थायित्व होना जरूरी है। अर्थशास्त्री यह भी आशा कर रहे हैं कि एक सफल सीज़न में जो ''डॉमेस्टिक डिमांड'' जागृत हुई है, उसकी लत लगेगी जनता को और भारत की इकॉनमी का चक्का चल निकलेगा, जैसा रीगन के समय हुआ था।**

दशकों से अमेरिका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी टैरिफ में बदलाव किया गया है। कुछ बड़ी दवा कंपनियाँ अपनी निवेश योजनाओं को यूरोप और ब्रिटेन में स्थित अपने पुराने ठिकानों से हटाकर अमेरिका की ओर ज्यादा केन्द्रित करने की कोशिश कर रही हैं।

हालांकि भारत नए टैरिफ से प्रभावित हो सकता है, लेकिन इससे यूरोपीय और ब्रिटिश दवा कंपनियों के हितों को गहरा धक्का लग सकता है। उदाहरण के लिए, लंबे समय से स्थापित दवा कंपनी ग्लैक्सो स्मिथक्लाइन बीचम अपने कुछ प्रस्तावित निवेश ब्रिटेन से हटाकर अमेरिका में स्थानांतरित कर रही है, ताकि टैरिफ के असर को कम किया जा सके।

दवाओं के अलावा, राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के तहत, भारी ट्रकों और कुछ फ़र्नीचर उत्पादों, जैसे किचन कैबिनेट्स और बाथरूम फिटिंग्स पर भी टैरिफ लगाया गया है। फ़र्नीचर बनाने वाली अग्रणी स्वीडिश कंपनी को भी इन नए शुल्कों का सामना करना पड़ेगा।

ट्रंप ने दवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रही है, लेकिन अब यह आशंका है कि भारत से निर्यात होने वाली कॉम्प्लेक्स जेनेरिक और स्पेशलिटी मेडिसिन्स भी इस दायरे में आ सकती हैं। हालांकि भारत की कई बड़ी कंपनियों के अमेरिका में पहले से उत्पादन केन्द्र मौजूद हैं, फिर भी इस नीति से उनका मुनाफा प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी बाजार में पहले से ही कम मुनाफे पर काम कर रहीं भारतीय कंपनियों को इन शुल्कों को झेलना मुश्किल लग सकता है और अंततः इसकी लागत उपभोक्ताओं या बीमा कंपनियों पर डाल सकती हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिकी उपभोक्ता कम कीमत वाली भारतीय जेनेरिक दवाओं पर निर्भर हैं। अगर इन पर भी शुल्क लागू हुआ, तो दवाओं की कीमतें बढ़ेंगी महंगाई बढ़ेगी और संभवतः दवा की कमी भी हो सकती है ट्रंप पहले ही भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा चुके हैं, जिसमें रूस से तेल खरीद जारी रखने के लिए 25 प्रतिशत पेनल्टी टैक्स भी शामिल है।

पाकिस्तान ने फिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति ट्रंप को सुविधानुसार पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर आने का भी सौहार्दपूर्ण निमंत्रण दिया।''संघर्षविराम के पहले दिन से ही भारत यह कहता आया है कि यह पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य अधिकारी ने ही अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क कर शत्रुता समाप्त करने और शांति स्थापित करने के लिये सम्पर्क किया था।

जब यह संदेश आया, तब तक भारत पहले ही पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में कई प्रमुख आतंकी ठिकानों को तबाह कर चुका था, जिनमें सैन्य लक्ष्य जैसे हैंगर, रडार, एंटी-एयरक्राफ्ट प्लेटफॉर्म और एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं महंगा एडब्ल्यूएसीएस (एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम) विमान शामिल थे, जो ज़मीन पर मौजूद था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रुबियो ने उन्हें फोन कर कहा था कि ''पाकिस्तानी बातचीत के लिए तैयार हैं,'' जिसके बाद पाकिस्तान के डायरेक्टर-जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स ने भारत से संपर्क किया।

जयशंकर ने हाल ही में संसद में ''ऑपरेशन सिंदूर'' पर हुई बहस के दौरान कहा था, ''22 अप्रैल (पहलगाम आतंकी हमला) और 17 जून (संघर्षविराम की घोषणा की तिथि) के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ट्रंप के बीच कोई बात नहीं हुई।'' 2016 के उरी सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 की बालाकोट एयरस्ट्राइक या अन्य पूर्व सैन्य अभियानों, जो ''स्केल'' तथा ''स्कोप'' के मामले में सीमित थे, तुलना में, ऑपरेशन सिंदूर तकनीकी रूप से कहीं अधिक उन्नत, विस्तृत और भारत द्वारा अब तक की गई।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908